सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 228 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 01 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 का प्रथम चरण संपन्न, फरवरी 2027 में शुरू होगा दूसरा चरण

रायपुर। भारत और छत्तीसगढ़ राज्य के विकास की ठोस नींव तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय अभियान भारत की जनगणना 2027 का प्रथम चरण छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। राज्य के सभी जिलों, तहसीलों, गांवों और नगरीय क्षेत्रों में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का फील्ड कार्य 1 मई 2026 से शुरू होकर 30 मई 2026 को कुशलता एवं शांतिपूर्वक पूरा कर लिया गया। निदेशक, जनगणना कार्य छत्तीसगढ़ ने इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में राज्य के नागरिकों द्वारा दिए गए अभूतपूर्व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। प्रथम चरण के दौरान प्रगणकों ने घर-घर जाकर प्रत्येक मकान और उसमें रहने वाले परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न पूछे। ये प्रश्न मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं और उनकी परिसंपत्तियों से संबंधित थे। सभी जानकारियां मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से संकलित की गई हैं, जो अब भारत सरकार के सर्वर में पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बालोद में घरेलू विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी

बालोद। जिले में 26 साल के युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। घटना दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के ग्राम पथराटोला की है। ग्रामीणों के अनुसार निचेपारा तालाब के पास रहने वाला हेमंत कुमार पिस्दा रविवार शाम घर से प्लास्टिक की नेवाड़ रस्सी लेकर निकला था। बताया जा रहा है कि रात करीब 8 से 9 बजे के बीच उसने गांव के पास बेर के पेड़ पर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने उसका शव फंदे से लटका देखा। ग्रामीणों का कहना है कि घटना से पहले युवक का घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद वह घर से निकल गया था। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्मट के लिए भेज दिया है। पीएम के बाद रिश्तेदारों को शव सौंपा जाएगा।

छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन मौसम रहेगा खराब, 60 किमी रफ्तार से चलेगी हवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई, जिससे अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक तापमान में 1 से 2 डिग्री की और कमी आ सकती है। इसके बाद धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है। प्रदेश में अगले पांच दिनों तक कहीं-कहीं गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान कहीं-कहीं 50-60 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। बारिश के बावजूद राजनांदगांव प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग ने प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है।

वैभव सूर्यवंशी को जल्द मिलेगी टीम इंडिया में जगह? बीसीसीआई ने साफ किया रुख

नईदिल्ली। आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले वैभव सूर्यवंशी को लेकर अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने पूरे टूर्नामेंट में जिस तरह का खेल दिखाया, उसके बाद टीम इंडिया में उनके भविष्य को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए। उन्होंने 237.30 के शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए पूरे सीजन में गेंदबाजों की जमकर खबर ली।

आईपीएल 2026 के समापन के बाद बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने वैभव की जमकर तारीफकी और उनके भविष्य को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। सैकिया ने कहा, 'यह शानदार सीजन रहा। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी प्रशंसकों ने इस आईपीएल का भरपूर आनंद लिया होगा। लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के लिए आरसीबी को बधाई। वैभव सूर्यवंशी एक बेहतरीन उभरते हुए खिलाड़ी हैं और उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। बीसीसीआई उन्हें क्रिकेट के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।' उनके इस बयान को वैभव के लिए बड़े भरोसे के रूप में देखा जा रहा है।

आईपीएल 2026 में सबसे युवा ऑरेंज कैप विजेता बने वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल इतिहास में नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह महज 15 साल और 65 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड साई सुदर्शन के नाम था, जिन्होंने 2025 में 23 साल 231 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप जीती थी। वहीं 2023 में शुभमन गिल ने भी युवा उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सुशासन तिहार में अशिष्ट व्यवहार, सीएम ने किया सीईओ रूपेश पाण्डेय को सस्पेंड

मुख्यमंत्री साय ने कहा- सुशासन में जवाबदेही सर्वोपरि, जनता से अशिष्ट व्यवहार स्वीकार्य नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/भिलाई। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से अशिष्ट व्यवहार और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दुर्ग संभागायुक्त को दिए थे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में कमिश्नर दुर्ग ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

संभागायुक्त दुर्ग द्वारा जारी निलंबन आदेश में कहा गया है कि दुर्ग कलेक्टर से प्राप्त प्रस्ताव एवं ग्राम थनौद में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में रूपेश कुमार पाण्डेय द्वारा आम जनता से अशिष्ट व्यवहार संबंधी वीडियो क्लिप के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार एवं शिविर में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अशिष्टतापूर्ण व्यवहार किया। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम के विपरीत है। इस संबंध में संभागायुक्त दुर्ग द्वारा रूपेश कुमार पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया।

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के तहत प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव पूर्ण रूप से सत्यनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण रहना है तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जो शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय हो। नियम 3-क के खण्ड (क) के अनुसार, कोई भी शासकीय सेवक अपने पदीय कृत्यों के पालन में अशिष्टता से कार्य नहीं करेगा।

नियमानुसार मिलेगा भत्ता

लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासन तंत्र आम नागरिकों के प्रति उत्तरदायी होता है, इसलिए प्रत्येक लोकसेवक द्वारा आम नागरिकों से शिष्ट व्यवहार को आचरण संहिता का महत्वपूर्ण घटक माना गया है। तदनुसार रूपेश कुमार पाण्डेय को कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही एवं कदाचरण के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

7-19 जून तक रद्द की गईं थीं 86 ट्रेनें, रेलवे ने फिर किया रीस्टोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर जोन ने 7 जून से 19 जून के बीच कैंसिल की गई सभी 86 ट्रेनों को फिर से चालू कर दिया है। इनमें 76 एक्सप्रेस ट्रेनें और बिलासपुर मंडल की 10 पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। ये ट्रेनें पहले चांपा स्टेशन पर चौथी रेल लाइन के काम (नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य) के कारण बंद की गई थीं, लेकिन यात्रियों की परेशानी को देखते हुए इस काम को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

इससे पश्चिम-बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों के यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे के अनुसार अब ये सभी 86 ट्रेनें अपने तय समय पर चलेंगी और पहले की तरह सेवा देंगी। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन की सही जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा से जरूर ले लें।

डायवर्ट ट्रेनें भी अपने निर्धारित रूट पर चलेंगी

रेलवे प्रशासन ने बताया है कि पहले अलग-अलग तारीखों में जिन ट्रेनों का रूट बदला गया था, अब उन्हें फिर से उनके पुराने और तय मार्ग पर ही चलाया जाएगा। इसमें हावड़ा-पुणे दुरंतो एक्सप्रेस, पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस, सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस, हावड़ा-सीएसएमटी दुरंतो एक्सप्रेस, एलटीटी-शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस, शालीमार-एलटीटी ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-एलटीटी एक्सप्रेस और एलटीटी-भुवनेश्वर एक्सप्रेस शामिल हैं। अब ये सभी ट्रेनें अपने निर्धारित रूट पर पहले की तरह सामान्य रूप से चलेंगी।

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों की बस में लगी आग, बाल-बाल बची जान

अहमदाबाद ए.। आईपीएल 2026 फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार झेलने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफको एक बड़े सुरक्षा खतरे का सामना करना पड़ा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होटल लौटते समय टीम की बस में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिसके कारण वाहन बीच रास्ते में खराब हो गया। जानकारी के अनुसार बस के अंदर धुआं फैलने लगा, जिसके बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी खिलाड़ी या स्टाफसदस्य घायल नहीं हुआ।

यह घटना रविवार रात उस समय हुई जब गुजरात टाइटंस की टीम बस

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होटल की ओर जा रही थी। रास्ते में बस में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके कारण बस में आग लग गई और चारों तरफ धुआं फैल गया। हालात बिगड़ने से पहले ही खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, आग लगने के बाद टीम के सदस्य करीब एक घंटे तक सड़क पर फंसे रहे और इंतजार करते रहे, जिसके बाद उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई और खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफको होटल पहुंचाया गया।

समय रहते सभी खिलाड़ियों को बाहर निकाल लेने के कारण बड़ा हादसा टल गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। घटना के बाद संबंधित अधिकारियों ने बस की जांच शुरू कर दी। यह हादसा ऐसे समय में हुआ जब गुजरात टाइटंस पहले ही फाइनल में हार से निराश थी। टीम को आरसीबी के खिलाफ खिताबी मुकाबले में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट में पांच नए जजों की नियुक्ति, कानून मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना, 37 पहुंची संख्या

नईदिल्ली ए.। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की। केंद्रीय विधि मंत्रालय ने सोमवार सुबह जारी अधिसूचना में बताया कि वरिष्ठ वकील वी मोहना, न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति अरुण पल्ली को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

नियुक्त किए गए न्यायाधीशों में

न्यायमूर्ति चंद्रशेखर वर्तमान में बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। न्यायमूर्ति शील नागू पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। वहीं, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति अरुण पल्ली जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। इन नियुक्तियों से संबंधित अधिसूचनाएं विधि मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह जारी की गईं। सर्वोच्च न्यायालय में वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश सहित 32 न्यायाधीश कार्यरत हैं। शीर्ष अदालत में हालिया नियुक्तियों के बाद न्यायमूर्तियों की संख्या फिलहाल 37 हो जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी का एनकाउंटर: 13 वर्षीय लड़की से की थी दरिंदगी

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 13 साल की किशोरी के साथ पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म के दौरान किशोरी गर्भवती हो गई थी। पुलिस ने घटना करने वाले आरोपी को बॉर्डर थाना क्षेत्र से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी के पैर में गोली लगी है। कब्जे से तमंचा, स्कूटी और कारतूस बरामद हुए हैं।

एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बॉर्डर थाना क्षेत्र के कॉलोनी में 13 साल की किशोरी के साथ पड़ोसी ने दुष्कर्म किया था। मामले की शिकायत परिजनों ने पुलिस से की थी। एसीपी ने बताया कि शिकायत के बाद पुलिस की टीम आरोपी की तलाश कर रही थी। टीम सेवा धाम इलाके में चेकिंग कर रही थी। सभी स्कूटी से संदिग्ध आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने फायरिंग कर दी। पुलिस में मुठभेड़ के बाद स्कूटी सवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सिराज बताया और किशोरी के साथ दुष्कर्म की बात कबूली है।

बंगाल कैबिनेट विस्तार: कई मंत्रियों को दिलाई गई शपथ

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के गठन के बाद पहला मंत्रिमंडल विस्तार सोमवार को हुआ। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार में 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। राज्यपाल आरएन रवि ने सोमवार सुबह 11 बजे राज्य सचिवालय नबन्ना में सभी मंत्रियों को सामूहिक शपथ दिलाई।

इस मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार की कैबिनेट में मंत्रियों की कुल संख्या 41 हो गई है। मंत्रिमंडल विस्तार को विभिन्न विभागों में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने और शासन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

इस मंत्रिमंडल विस्तार में 13 कैबिनेट मंत्रियों, तीन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली है। नए मंत्रिमंडल में स्वपनदास गुप्ता, अशोक डिंडा, मनोज ओरांव, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, मालती रॉय, इंद्रनील खान, गौरीशंकर घोष, कल्याण चक्रवर्ती, राजेश महतो, अर्जुन सिंह और तापस राय जैसे नाम शामिल हैं। जोएल मुर्मू, हरे कृष्णा

बेरा, दीपक बर्मन, शंकर घोष और सारद्वत मुखर्जी ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए एक दिन पहले मंत्रिमंडल विस्तार की जानकारी दी थी। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 सदस्यीय सदन में बहुमत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस के डेढ़ दशक लंबे शासन का अंत किया था।

आईआईटी दिल्ली जोन का दबदबा, शुभम कुमार ने 330 अंकों के साथ किया टॉप

नईदिल्ली ए.। जेईई (एडवांस्ड) 2026 का परिणाम जारी कर दिया गया है। इस वर्ष कुल 56,880 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में सफलता हासिल की है। सफल उम्मीदवारों में 10,107 छात्राएं भी शामिल हैं। परिणाम डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवारों को अपने रोल नंबर, जन्म तिथि और पंजीकृत मोबाइल नंबर की सहायता से लॉग इन करना होगा।

स्कोरकार्ड में उम्मीदवार का नाम, क्वालिफाई करने की स्थिति, ऑल इंडिया रैंक (AIR), विषयवार अंक, कुल प्राप्त अंक, श्रेणीवार रैंक तथा कटऑफ संबंधी जानकारी उपलब्ध होगी। आईआईटी दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने कॉमन रैंक लिस्ट

(CRL) में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने 360 में से 330 अंक हासिल किए हैं। वहीं, कबीर छिल्लर ने 329 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। तीनों टॉपर्स आईआईटी दिल्ली जोन से हैं।

आईआईटी रुड़की द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जेईई एडवांस्ड 2026 के लिए कुल 1,87,389 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 1,79,694 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में कुल 56,880 उम्मीदवार सफल घोषित किए गए, जिनमें 10,107 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं।

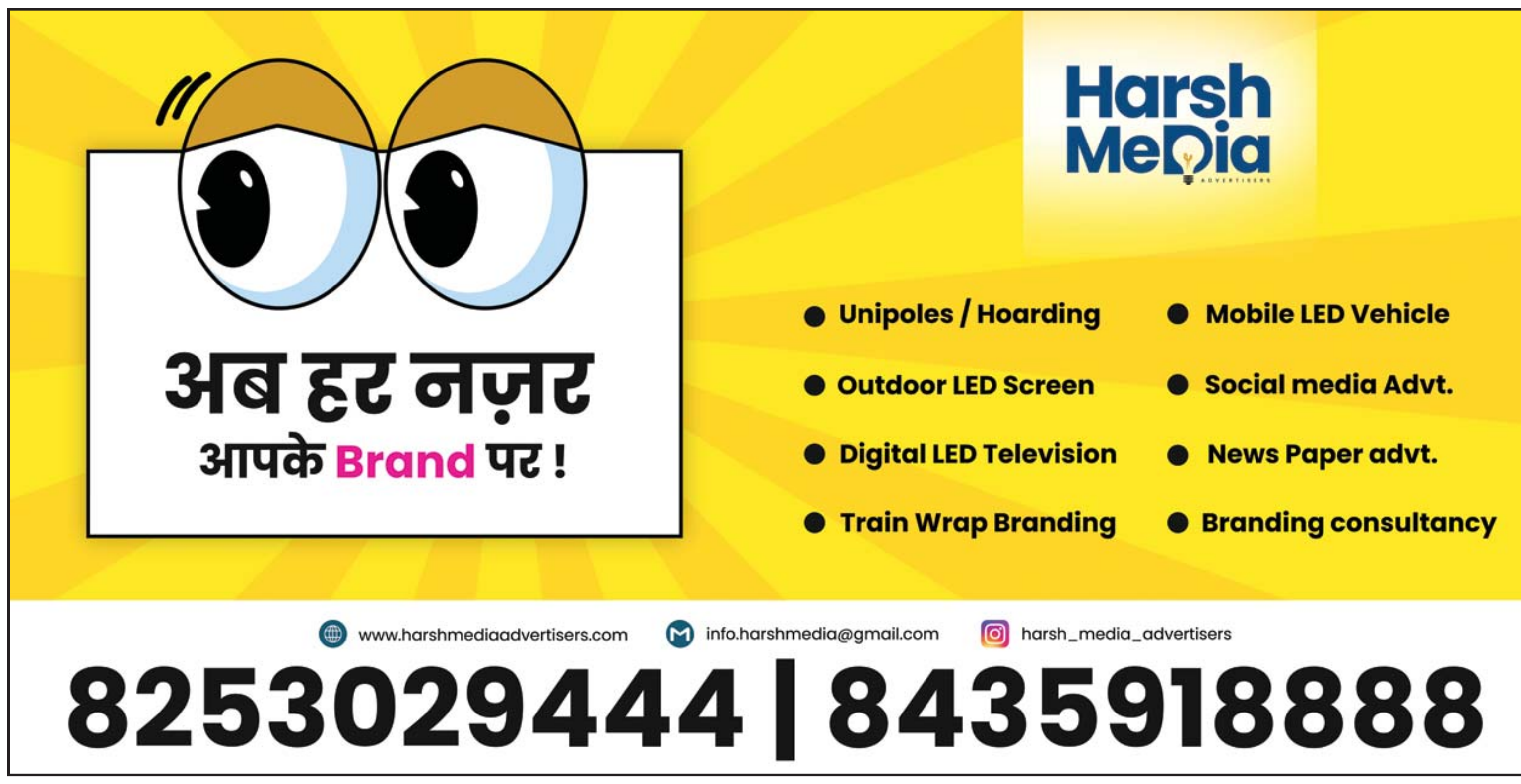

संपादकीय

पंजाब के संकेत

निकाय चुनाव नतीजों से बढ़ा आप का भरोसा

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दर्शाता है।

> “ मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दर्शाता है।

सही मायने में स्थानीय निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दर्शाता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल ही रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी–हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है। लेकिन फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष अभी भी एकजुटता और दिशा की तलाश में लगा हुआ है।

एआई सक्रिय हो जीवन में, लेकिन हम लाचार भी न हों

पं. विजयशंकर मेहता

जब श्रीराम ने युद्ध के पहले अंगद को दूत बनाकर रावण के पास भेजा तो एक बहुत अच्छी बात उन्होंने बोली थी– अंगद, रावण से तुम्हारा व्यवहार इस प्रकार होना चाहिए कि काजु हमार तासु हित होई।' हमारा भी काम हो जाए, उसका भी भला हो जाए। अब हम एआई के युग में इस पंक्ति का अर्थ समझकर जीवन में उतारें। एआई भी सक्रिय हो हमारे जीवन में, लेकिन हम लाचार भी न हो जाएं। कहीं ऐसा न हो कि हम कब खाएं, कब नहाएं, यह निर्णय भी एआई करने लगे।

प्रबंधन की भाषा में इसको आपसी बढ़त कहते हैं– म्युचुअल एम्प्लीफिकेशन, यानी दोनों का हित हो। यंत्र का भी हित हो और यंत्र का प्रयोग करने वाले मनुष्य का भी। एआई के पहले हमारे यहां एक लहर चली थी, उसको कहते हैं विशेषज्ञता की लहर। हर क्षेत्र में लोग विशेषज्ञ हो रहे थे।

अब यह एआई विशेषज्ञता पर बहुत बड़ा हमला करेगा, क्योंकि विशेषज्ञ होने में जो मेहनत, जो संघर्ष करना पड़ता था, वो अब बंद हो जाएगा। और कहीं हम लोग चिंतन के मामले में आत्मसमर्पण न कर दें। एआई के सामने इतनी सावधानी जरूर रखिएगा।

राजनीतिक सरगर्मियों में तेजी लाएंगे चुनाव परिणाम

ज्योति मल्होत्रा

विधानसभा चुनाव के पहले के आगामी छह माह पंजाब की राजनीति में बेहद सरगर्मी भरे होंगे। पंजाब नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत हुई। वहीं कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही। नेतृत्व बदलाव के बीच भाजपा भी कुछ जगह जीती। इन चुनावों को विस चुनाव का पूर्वाभ्यास मानें तो कड़ा मुकाबला होगा।

पंजाब में होली देर से आई है– या फिर जल्दी, यह इस पर निर्भर करता है कि आप इसे किस नज़रिए से देखते हैं, जब पाते हैं कि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) राज्य में नगर निगम चुनावों में अपनी शानदार जीत का जश्न रंगों, ढोल और मिठाइयों के साथ मना रही है। कांग्रेस काफी पीछे, दूसरे स्थान पर है, और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन भाजपा और अकाली दल, दोनों से बेहतर रहा है।

चूंकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल ढिल्लों को पद संभाले अभी चंद घंटे ही हुए हैं, इसलिए पार्टी के प्रदर्शन पर कोई फैसला सुनाना शायद सही न हो– ढिल्लों के अपने ही इलाके, बरनाला में उसका पूरा सफाया हो गया है। लेकिन दिलचस्प बात यह कि मौजूदा विधानसभा में भाजपा के दो विधायकों में से एक, मुकेरियां से जंगी लाल महाजन ने–जैसा कि मेरी सहयोगी दीपकमल कौर ने लिखा है– खुलकर अकाली दल के उम्मीदवार के लिए प्रचार किया (वो जीत गया है), जबकि दोनों पार्टियों के बीच कोई गठबंधन नहीं है।

अगर यह चुनाव वाकई इस साल के आखिर में या अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक पूर्वाभ्यास है, तो यह मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। कुछ लोग कहेंगे कि भाजपा ने नेतृत्व परिवर्तन करने में शायद बहुत ज़्यादा देर कर दी– इतनी देर कि दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत संधू को पंजाब में प्रस्तुत करने का मौका हाथ से निकल गया, और केवल ढिल्लों को कमान संभालने में भी काफ़ी देर हो गई। ज़ाहिर है, इस पद के लिए काफी लॉबिंग हुई, क्योंकि सुनील जाखड़ ने एक साल पहले ही ऐलान कर दिया था कि उन्हें अध्यक्ष पद की ज़िम्मेदारी नहीं निभानी। लेकिन पार्टी को इस बात से ज़रूर राहत महसूस हुई होगी कि उसने मोहाली की एक नगर परिषद, 'नया गांव' में शानदार जीत हासिल की है। यह इलाका चंडीगढ़ से बिल्कुल सटा हुआ है– और चंडीगढ़ गोल्फ क्लब से भी ज़्यादा दूर नहीं, वह जो अपने ऊंचे–नीचे मैदान युक्त गोल्फ कोर्स, बार और पार्किंग के साथ शहर के रईसों की पसंदीदा जगह है– जबकि 'आप'और कांग्रेस, दोनों ही, सिर्फ़ एक–एक सीट तक सिमटकर रह गई हैं।

इस चुनाव ने 'आप' और भाजपा, दोनों के भविष्य की दिशा को कमोबेश साफ कर दिया है– 'आप'अपनी ज़मीन बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, जबकि भाजपा राज्य में अपनी पैठ बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अब यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ही 'आप' का चेहरा होंगे। दिल्ली का राष्ट्रीय नेतृत्व, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया,कमान तो संभालेगा, लेकिन मज़बूती से पर्दे के पीछे रहकर। हर कोई बखूबी वाकिफ है कि पंजाबी लोग सबसे अलग होते हैं, न रुकने वाले बगावती, और अपनी किस्मत की बागडोर खुद अपने हाथों में लेना पसंद करते हैं। इसके अलावा, भगवंत मान पर उनके अपने ही गढ़ धुरी में लगे सभी आरोप–मसलन,गुटबाज़ी, नशे का मुद्दा, शहर का साफ–सुथरा न होना–परिणामों पर बेअसर साबित हुए हैं। गत शक्रवार को हुए धुरी नगर परिषद के चुनावों में 'आप' ने ज़बरदस्त जीत हासिल की।

जहां तक भाजपा की बात है, यह भी उतना ही साफ है कि आने वाले चुनावों के प्रबंधन में आरएसएस एक अहम भूमिका निभाएगी। उसके कार्यकर्ता और 'पन्ना प्रमुख' (वह 'प्रमुख' या व्यक्ति जो वोटर लिस्ट के हर पन्ने पर लिखे प्रत्येक वोटर के नाम का हिसाब–किताब रखकर प्रभाव बनाने का काम करता है) पहले से ही ज़मीनी स्तर पर पूरी लगन से काम में जुटे हुए हैं। केवल ढिल्लों का प्रदर्शन कैसा भी रहे–उनकी घोषित सकल संपत्ति 200 से 229 करोड़ रुपये के बीच है, और दिल्ली के वसंत विहार, चंडीगढ़ के सेक्टर 9, दुबई और स्पेन के मारबेला में उनके घर हैं– इस बात का एक साफ़ पैमाना होगा कि आरएसएस ने राज्य में कितनी कड़ी मेहनत झोंकी है।

सवाल यह है कि कांग्रेस आखिर करना क्या चाहती है? इस कॉलम में अक्सर इस पुरानी और बड़ी पार्टी के आपस में लड़ते गुटों की आलोचना की जाती रही है। ये सभी गुट सिर्फ दिल्ली हाईकमान की खुशामद करने की होड़ में लगे रहते हैं– जोकि वास्तव में गत सप्ताह कर्नाटक में सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक करवाने में व्यस्त रहा। वहां निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बिना किसी हील–हुज्जत के सत्ता की बागडोर अपने नंबर दो नेता डी.के. शिवकुमार को सौंप दी है।

निश्चित रूप से, पंजाब में भी बहुत से कांग्रेसी उम्मीद भरी नज़रों से दिल्ली हाईकमान से आस लगाएंगे कि वही कुशल दांव–पेच यहां भी दोहराए। असल में, अगर कर्नाटक के अनुभव को पैमाना माना जाए, तो ऐसा लगता है कि पार्टी ने 2021 में खुद को पहुंचाए नुकसान से सबक सीखा है; उस समय पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को विधानसभा चुनाव से एक साल से भी कम समय पहले बदल दिया गया था।

दिल्ली स्थित कांग्रेस आलाकमान में अफवाहों का बाज़ार गर्म है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह केरल में मिली सफलता से उत्साह पाकर और तमिलनाडु में अपने हस्तक्षेप से प्रभावित होकर, आने वाले महीनों में पंजाब में, हिमाचल प्रदेश में (जहां पर 2027 के आखिर में चुनाव होने हैं) और 2028 के आखिर में राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव खेलने को तैयार है। (इसका यह भी मतलब है कि सचिन पायलट को आखिरकार मौका मिल सकता है, क्योंकि डी.के. शिवकुमार की तरह उन्होंने भी कांग्रेस नहीं छोड़ी, जबकि उनके कई साथियों ने ऐसा किया था)।

फिलहाल, बीते शुक्रवार को नगर निगम चुनावों में पार्टी का खराब प्रदर्शन साफ नज़र आया –यहां तक कि अपने प्रदेशाध्यक्ष राजा वडिंग के गढ़ में भी हार गई। जालंधर के सांसद चरणजीत चन्नी ने तो अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार तक नहीं किया। जिस इलाके में प्रताप बाजवा और सुखजिंदर रंधावा का दबदबा है, वहां के मतदाताओं ने कांग्रेस उम्मीदवारों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया। और इसलिए, जब पार्टी का शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश के नेता दिल्ली में आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए, तो हर किसी के लिए यह साफ था कि अगर पार्टी को अपना वजूद बनाए रखना है, तो उसे कुछ कड़े फैसले लेने होंगे।

अगले छह महीने काफी लंबे और मुश्किल भरे होने की उम्मीद है। एक–एक दिन गिना जाएगा। विधायक पाला बदलेंगे, कुछ अपना चुनाव क्षेत्र बदलेंगे। प्रवर्तन निदेशालय की लंबी परछाई पूरे प्रदेश पर मंडराती रहेगी। 'आप' के मंत्री संजीव अरोड़ा 9 मई से ही ईडी की न्यायिक हिरासत में हैं। पंजाब के प्रभारी कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे को पिछले साल जुलाई में ईडी ने कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में गिरफ्तार किया था, लेकिन इस साल जनवरी में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने उन्हें ज़मानत दे दी।

तो, क्या ये नगर निगम चुनाव आने वाले समय का संकेत हैं, या फिर पंजाब की स्थिति शाहरुख खान के डायलॉग जैसी है : 'क्या पंजाब में पिक्चर अभी बाकी है, मेरे दोस्त'?

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

उजाले अपनी यादों के हमारे पास रहने दो...

डॉ. चंदेर त्रिखा

पुण्य स्मरण : बशीर बद्र

अनूठी शैली व मौलिक प्रस्तुति के साथ बशीर बद्र ने सामयिक मुद्दों को भी बेहद नज़ाकत के साथ उठाया। बशीर ने ग़ज़ल को सामंती महफिलों से उठाकर सामान्य अदबी इंसानों के ज़हनों में भी बैठाया है।

हमारे इस कालखंड में जिन बड़े शायरों के कलाम एवं ग़ज़लें, मुहावरों की तरह आम आदमी व 'इलीट–क्लास' की जुबान पर अक्सर सवार रहते हैं, उनमें बशीर बद्र का नाम पहली पंक्ति में बना रहेगा।

वह एक करीबी दोस्त थे, इसलिए निजी सरमाया भी थे, मगर इसके इलावा इनसे अदबी रिश्ता भी था। कालजयी शायरी क्या होती है, इसकी कोई मिसाल देखनी हो तो बशीर की शायरी से गुजर कर देखिए। हर कदम पर उनके 'शेअर' आपका रास्ता रोक लेंगे और मजबूर कर देंगे कि 'वाह? क्या बात है' कहे बिना आगे नहीं जाएंगे। बशीर की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि अपनी अनूठी शैली, बानगी व मौलिक प्रस्तुति के साथ उसने सामयिक मुद्दों को भी बेहद नज़ाकत के साथ उठाया है। नगरीय एवं कस्बई हिंसा पर उनका यह तंज अब भी जिक्र में बना हुआ है—'लोग टूट जाते हैं, एक घर बनाने में तुम रहम नहीं खाते, बस्तियां जलाने में।' 'जिंदगी की शाम' वाला उनका शेर विदायगी के हर मौके पर गूंजता है—'उजाले अपनी यादों के/हमारे पास रहने दो/न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।' जिन दो शायरों का प्रयोग कमोबेश हर

राजनीतिज्ञ ने भी किया है, उनमें दुष्यंत के इलावा दूसरा नाम बशीर बद्र का है।

91 की उम्र में वह चले गए। सुना था 'डिमेंशिया' सरीखी बीमारियों से पीड़ित लोग लम्बी उम्र तक बने रहते हैं। इन दिनों वह 'हल्का–हल्का' बहाल भी होने लगे थे, मगर उस तरह चलने की मशक्कत करने ही लगे थे कि बीच सफर में ही लौट गए। इस बार का लौटना अंतिम था और आज वे शारीरिक तौर पर हमारे बीच नहीं हैं। उर्दू का महान शायर बशीर बद्र इन दिनों अस्वस्थ चल रहा है। मेरे ज़ेहन में वे पुराने दिन उदास बदलों की तरह ज़िंदगी की उमस से जूझने लगते हैं, जब एक प्यारे अज़ीज़ दोस्त के रूप में वह पुश्तैनी शहर अबोहर आए थे। हम दो दिन उस शहर में एक नहर के किनारे घूमते रहे थे। मैं, मेरे दोस्त एवं उर्दू अदीब मोहनलाल, वहां के बोहिमियन्ज़ क्लब के सूत्रधार प्रो. सत्य प्रकाश, युवा पत्रकार साथी राजसदोष और साथ में बशीर बद्र। हम लोगों ने तय किया कि बशीर के क़लाम से हिंदी में उर्दू शायरी को जज़्ब करने वाली नई पीढ़ी को रूबरू कराया जाए। मोहन लाल उर्दू व पंजाबी के कहानीकार एवं उपन्यासकार थे। उनके मशविरे व पहलकदमी से शब्दलोक प्रकाशन का 'बैनर' बुना गया जिसके तले उर्दू शायरी के दो 'मजमूओं' (संकलनों) के हिंदी में प्रकाशन की योजना बनी थी। बशीर बद्र ने अपने मजमूए का नाम 'तुम्हारे लिए' तय किया, जबकि दूसरे शायर प्रो. आज़ाद गुलाटी ने 'नई ग़ज़लें' की पांडुलिपि सौंप दी। ये किस्सा करीब 45 बरस पुराना है। तब 1100 प्रतियां छापना ज़ोखिम भरा प्रयास था। मगर सभी प्रतियां 6 माह में खप गईं। खरीददार कमोबेश सभी युवा चेहरे थे।

उन्हीं दिनों पत्रकार व अदीब निरुपमा दत्त ने इंडियन एक्सप्रेस में इस कृति पर एक समीक्षात्मक लेख लिखा था, 'जैसे ही आधुनिक उर्दू ग़ज़ल की बात चलती है तो एकदम ज़ेहन में बशीर बद्र का ख्य़ाल आता है। बशीर बद्र एक ऐसे शायर हैं जिन्होंने ग़ज़ल की नफासत और नज़ाकत को समझते हुए नए–नए प्रयोग किए हैं। वे इस विधा को बदलते हुए युग के साथ जोड़ने में बखूबी सफल रहे हैं। अपनी लचीली आवाज़ में जब वह मंच पर 'शेर' पेश करते हैं तो हर बार मुशायरा लूट ले जाते हैं।

मुझे याद है अम्बाला व गुरुग्राम के वे मुशायरे जिनमें ज़्यादातर शायर यही आग्रह करते थे कि उन्हें बशीर से पहले पढ़ा दिया जाए क्योंकि एक बार बशीर शुरू हुए तो फिर श्रोता उन्हीं के नाम को आगे बढ़ाते रहने की ज़िद्द करेंगे। इसी वर्ष 17 फरवरी को मध्यप्रदेश के राज्यपाल लाल जी टंडन जो कि बशीर साहब के प्रशंसक भी रहे थे, उनके 85वें जन्म दिन पर उनके आवास पर गए और उन्हें एक भव्य गुलदस्ता व शॉल आदि उपहार सौंपे। बशीर साहब की बेग़म राहत बद्र ने अर्द्धचेतनावस्था में बिस्तर में ही बशीर साहब को लखनऊ से लाल जी टंडन के मुबारिकबाद देने को आने की बात बताई।

बशीर बद्र किसी खेमे का नाम नहीं! बशीर बद्र किसी एक वैचारिक प्रतिबद्धता का नाम नहीं! बशीर बद्र ग़ालिब–मीर का, मोमिन का लकीरी वारिस नहीं– लेकिन इन सब बातों के बावजूद उसके प्रशंसक, उन्माद की हद तक उसके ही हैं।

बशीर बद्र की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। बशीर ने जहां महानगरीय सभ्यता की विद्रूपता पर गहरी मार की है, वहां उसने कस्बई संस्कृति की संवेदना का मुखर रूप देने में भी उतनी ही सफलता प्राप्त की है। उसकी क़लम एक तरफ़ सावधान करती है कि—कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से ये नए मिज़ाज का शहर है ज़रा फासले से मिला करो। वहीं इस बात पर संतोष भी व्यक्त करती है कि–कदीम कस्बों में कैसा सकून होता है थके थकाए हमारे बुजुर्ग सोते हैं। शैली की ताज़गी, नए मुहावरे का प्रयोग व पुराने मुहावरों को नये अर्थ देना बशीर की एक और विशिष्टता है। बशीर ने ग़ज़ल को सामंती महफिलों से उठाकर केवल कॉफी–हाउसों तक ही नहीं पहुंचाया बल्कि सामान्य अदबी इन्सानों के ज़हनों में भी बैठाया है। अक्सर ग़ज़लों में मतला कमजोर पड़ जाता है। लेकिन बशीर बद्र की लगभग सभी ग़ज़लों का मतला अनुभूति की तीव्रता लिए हुए है। जैसे—'होंटों पे मुहब्बत के फसाने नहीं आते, साहिल पे समन्दर के ख़ज़ाने नहीं आते।'

ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता से थमेगी महंगाई

सुरेश सेठ

पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बाधा

अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा। इससे देश में सभी चीजें लगातार महंगी हो रही हैं। दरअसल, इसकी वजह अधिकांश पेट्रो प्रोडक्ट्स के लिए आयातों पर निर्भरता है। बढ़ती महंगाई से निपटने का स्थायी उपाय ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना है।

स्वतंत्रता के बाद ऐसा कोई दौर नहीं आया जब देश में चीजें व्यापक रूप से सस्ती हुई हों। महंगाई की समस्या मध्यवर्ग और निम्न मध्यवर्ग के जीवन में लगातार बनी रही है। इसका एक प्रमुख कारण हमारी आयात–निर्भर अर्थव्यवस्था है। आयातों का भुगतान डॉलर में करने तथा बजट घाटे के दबाव के कारण आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, जिससे बाजार में मुद्रास्फीति बढ़ती है। साथ ही, कच्चे माल का आयात भी महंगा पड़ता है, जिसके कारण उससे निर्मित तैयार उत्पादों की लागत और कीमत दोनों बढ़ जाती हैं।

देश का आम आदमी लंबे समय से महंगाई की मार झेलता आया है, जबकि सरकारें समय–समय पर उस पर नियंत्रण का आश्वासन देती रही हैं। कोविड–19 के बाद महंगाई नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक ने कठोर साख नीति अपनाई, जिससे ऋण महंगे हो गए और निवेश तथा आर्थिक विकास प्रभावित होने लगे। बाद में आधिकारिक आंकड़ों में थोक महंगाई दर शून्य से नीचे तथा खुदरा महंगाई दर सुरक्षित सीमा के भीतर दिखाई गई, किंतु आम जनता को बाजार में वस्तुएं वास्तव में सस्ती नहीं मिलीं। इसका एक कारण यह भी रहा कि लागत में आई कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने के बजाय कई बार बिचौलियों और फुटकर व्यापारियों के अतिरिक्त लाभ में बदल गया।

देश महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक स्थिरता से राहत की उम्मीद कर ही रहा था। रेपो दरों में कटौती का दौर भी थम गया था और अपेक्षा की जा रही थी कि घरेलू तथा विदेशी निवेश बढ़ेगा तथा शेयर बाजार नई ऊंचाइयों को छुएगा। किंतु अचानक एक युद्ध ने ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग, होर्मुज़ जलडमरूमध्य, बाधित हो गया। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और उर्वरकों की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा, जिससे भारत में महंगाई बढ़ने की आशंकाएं फिर से प्रबल हो गईं और आम जनता की चिंताएं बढ़ने लगीं।

वर्तमान स्थिति यह है कि देश में आर्थिक गतिविधियों की रीढ़ माने जाने वाले पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ ही दिनों में मूल्य कई बार बढ़ाए गये हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत नियंत्रित रहने के बावजूद देश में पेट्रोल की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गई हैं। इस निरंतर वृद्धि से पेट्रोल–डीजल आम उपभोक्ता के लिए बेहद महंगा हो रहा है।

यद्यपि सरकार आश्वासन देती रही है कि देश के पास लगभग 75 दिनों का पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध है, जिससे आपूर्ति बाधित नहीं होगी और पेट्रोल पंपों पर सामान्य स्थिति बनी रहेगी, फिर भी कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। सरकार का तर्क है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के दौरान घरेलू बाजार में पेट्रोल व डीजल के दाम लंबे समय तक स्थिर रखे गए, जिससे पेट्रोलियम कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसी घाटे की भरपाई के लिए ईंधन कीमतों को बाजार के अनुसार समायोजित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग हर दूसरे या तीसरे दिन दामों में वृद्धि देखने को मिल रही है।

पेट्रोल की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। वहीं, व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी ने होटल, ढाबों और खाद्य व्यवसायों की लागत बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप भोजन और अन्य खाद्य पदार्थों के दाम भी बढ़ गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं की क्रय–शक्ति प्रभावित हुई है और खाद्य बाजार में मंदी का माहौल बन गया है।

उधर, वित्त मंत्री के अनुसार उर्वरकों की बढ़ती कीमतें और रुपये के अवमूल्यन ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है। सरकार ने पेट्रोल–डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर राजस्व का नुकसान उठाया है, किंतु ऊर्जा आयात पर निर्भरता और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

बैंकों को कारोबार–अनुकूल ऋण विकल्प विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं, परंतु ईंधन के वैकल्पिक स्रोत के रूप में विकसित सीएनजी भी महंगी होती जा रही है, जिससे परिवहन लागत बढ़ रही है। विपक्ष इसे आम जनता पर आर्थिक बोझ बताता है, जबकि सरकार का तर्क है कि इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां और ऊर्जा आपूर्ति संकट जैसे कारण हैं, जो उसके प्रत्यक्ष नियंत्रण से बाहर हैं। बढ़ती महंगाई से निपटने का स्थायी समाधान देश को अधिक आत्मनिर्भर बनाना है।

वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक आयातों पर निर्भर है, इसलिए वैश्विक संकटों और युद्धों का सीधा प्रभाव महंगाई के रूप में देश को झेलना पड़ता है। यदि अर्थव्यवस्था को निर्यातोन्मुख बनाया जाता और लघु एवं कुटीर उद्योगों को व्यापक स्तर पर विकसित कर उनके निर्यात में हिस्सेदारी बढ़ाई जाती, तो विदेशी निर्भरता कम हो सकती थी।

इसी प्रकार, देश में उपलब्ध संभावित तेल एवं ऊर्जा संसाधनों के पर्याप्त दोहन पर भी अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण ऊर्जा आयात पर निर्भरता बनी रही। परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने पर घरेलू अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। समाधान यह है कि भारत उत्पादन, ऊर्जा और निर्यात के क्षेत्र में अधिक स्वावलंबी बने। जितना अधिक स्वावलंबन होगा, उतनी ही आयातों पर निर्भरता घटेगी और महंगाई पर नियंत्रण बनाए रखना आसान होगा।

लेखक साहित्यकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रमुख खबरें

इस्पात मजदूर महासंघ ने बीएसपी मेनगेट पर दिया धरना

भिलाई। भारतीय इस्पात मजदूर महासंघ एवं भिलाई इस्पात मजदूर संघ के संयुक्त तत्वावधान में 1 जून को भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों एवं श्रमिकों की विभिन्न लंबित समस्याओं और मांगों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। धरना-प्रदर्शन के माध्यम से संविदा श्रमिकों की 40 प्रतिशत कटौती पर रोक लगाने, लंबित वेतन समझौते का शीघ्र क्रियान्वयन, एरियर्स भुगतान, आवास, चिकित्सा, इंसेंटिव, ठेका श्रमिकों के हितों की रक्षा तथा कर्मचारियों एवं श्रमिकों की अन्य महत्वपूर्ण मांगों के समाधान की मांग प्रबंधन के समक्ष रखी गई। कार्यक्रम में रविशंकर सिंह, सुदीप सेन गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, आदि मौजूद थे।

गिरते जल स्तर को रोकने वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग द्वारा शहर में लगातार गिरते भूजल स्तर को नियंत्रित करने और वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिकों से अपने घरों एवं भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने की अपील की है। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत पिछले 10 वर्षों में 75 शासकीय भवनों एवं 2897 निजी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण किया जा चुका है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण के लिए अधिकृत एजेंसियां निर्धारित की गई हैं जो 10 से 15 हजार रुपए में सिस्टम तैयार कर रहे हैं।

सोमनी के सुशासन शिविर में 200 आवेदन मिले

भिलाई। चरोदा निगम ने सोमनी में सुशासन तिहार शिविर आयोजित किया। विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा और निगम महापौर निर्मल कोसरे उपस्थित रहे। शिविर में 200 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए। सभी का निराकरण करने के लिए अफसरों को निर्देशित किया गया। विधायक कोर्सेवाड़ा ने उपस्थित निगम आयुक्त समेत पूरे सरकारी अमले को भी शिविर में प्राप्त हो रहे आवेदनों को हर संभव प्रयास कर निराकृत करने निर्देश प्रदान किए।

विकास परिषद की बैठक में आदिवासी उत्पीड़न पर चिंता

भिलाई। छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद, शाखा दुर्ग की बैठक मरोदा सेक्टर में हुई। बैठक में देशभर में बढ़ते आदिवासी उत्पीड़न, खनन प्रभावित इलाकों में संघर्ष और प्रशासन व कॉर्पोरेट टकराव पर चिंता जताई गई। चंद्रिका रावत ने कहा कि खनन वाले राज्यों में विरोध के बीच लाठीचार्ज और दमन की घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रकला तारम ने मणिपुर की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंसा से जनजीवन प्रभावित है और बच्चों की शिक्षा पर संकट बढ़ा है।

सुशासन तिहार में दुर्ग जिले को 739 करोड़ 38 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

दफ्तर नहीं अब लोगों के बीच आकर काम कर रही सरकार : साय

- 251 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन
- शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और नगरीय अधोसंरचना को गति
- दुर्ग में सर्वसुविधायुक्त संयुक्त जिला कार्यालय भवन निर्माण की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सुशासन केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार का दायित्व है कि वह जनता के बीच जाकर अपने कार्यों का हिसाब दे, उनकी समस्याएं सुने और समाधान सुनिश्चित करे। इसी सोच के साथ राज्य सरकार सुशासन तिहार के माध्यम से आमजन के बीच पहुंचकर अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज दुर्ग जिले के स्वर्गीय झाडूराम देवांगन शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर दुर्ग जिले को 739 करोड़ 38 लाख रुपए की लागत के विकास कार्यों की सौगात देते हुए 251 लोककल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 362 करोड़ 46 लाख रुपए की लागत के 98 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 376 करोड़ 92 लाख रुपए की लागत के 153 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास शामिल है। श्री साय ने कहा कि यह परियोजनाएं दुर्ग जिले के विकास को नई दिशा देने के साथ नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएंगी।

श्री साय ने दुर्ग में सर्वसुविधायुक्त संयुक्त जिला कार्यालय भवन के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि बेहतर प्रशासनिक अधोसंरचना से नागरिक सेवाओं में और अधिक पारदर्शिता, दक्षता और सुविधा सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक मई से प्रदेश में सुशासन तिहार का आयोजन निरंतर जारी है और 10 जून तक राज्य के सभी 33 जिलों में यह अभियान संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से न केवल समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, बल्कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी सीधे उपलब्ध कराया जा रहा है।

समाधान शिविर परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन अब कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि जनता तक पहुंचकर सेवा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। शिविर में युवाओं के ड्राइविंग लाइसेंस, मत्स्यपालकों को जाल वितरण, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, महिला समूहों को प्रोत्साहन, छात्रवृत्ति, आवास स्वीकृति और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में 18 लाख गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया था और सभी स्वीकृतियां जारी कर दी गई हैं। अब शीघ्र ही सभी आवासों का निर्माण पूरा कर हितग्राहियों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत माताओं और बहनों के खातों में प्रतिमाह एक-एक हजार रुपए की राशि अंतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक आत्मविश्वास परिवार और समाज दोनों को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण छत्तीसगढ़ लंबे समय से झेल रहे नक्सलवाद के दंश से निर्णायक रूप से बाहर निकल रहा है। बस्तर अब विकास, विश्वास और नए अवसरों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नेतानार में स्थापित सेवा डेरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि वहां ग्रामीणों और आदिवासियों को इमली प्रसंस्करण, ढेकी चावल, सिलाई और अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से परिणय सूत्र में बंधना समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और नागरिक सेवाओं को सरल बनाने के लिए राज्य सरकार ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं का विस्तार कर रही है। उन्होंने बिजली समाधान योजना और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार नागरिकों को राहत, सुविधा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता देने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि इसके लिए कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही 112 हेल्पलाइन के माध्यम से पुलिस, एम्बुलेंस, अग्निशमन एवं महिला सहायता सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं और बारहवीं परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले दुर्ग जिले के विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यही युवा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की आधारशक्ति हैं। श्री साय ने कहा कि आज लोकार्पित आईटी पार्क दुर्ग के युवाओं के लिए रोजगार, नवाचार और तकनीकी अवसरों का नया द्वार खोलेगा। उन्होंने इसे जिले के आर्थिक और तकनीकी विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने दुर्ग शहर में नालंदा परिसर और छात्रावास निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन वातावरण मिलेगा और यहां से आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च सेवाओं में चयनित होने वाले युवाओं की नई पीढ़ी तैयार होगी।

इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग का भूमिपूजन

उन्होंने इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण के भूमिपूजन को शहर के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे यातायात दबाव कम होगा, पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ होगी और व्यापारिक गतिविधियों को सुविधा मिलेगी।

समारोह को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री श्री साय का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दुर्ग जिले को मिली 739 करोड़ रुपए से अधिक की विकास सौगात आने वाले समय में विकास का नया अध्याय लिखेगी।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही शासन का लक्ष्य

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, स्वामित्व योजना, लखपति दीदी, आयुष्मान भारत, महिला कोष ऋण योजना, आदिवासी छात्र प्रोत्साहन, मत्स्य विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य विकास और कल्याण की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

सुशासन तिहार में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, विधायक ईश्वर साहू, अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड जितेन्द्र साहू, खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, संभागायुक्त एसएन राठौर, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

गीता परिवार का बाल संस्कार सिंचन शिविर सम्पन्न, योगासन के साथ ही सीखा लाठी चालन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मां शारदा स्कूल सेक्टर-9 में आयोजित छह दिवसीय 'बाल संस्कार सिंचन शिविर' का समापन शनिवार 30 मई को सुबह 7:00 बजे हुआ। स्वामी गोविंद देव गिरी की प्रेरणा और दिव्य आशीष से गीता परिवार, छत्तीसगढ़ का यह शिविर संस्कृति गौरव एवं आशीर्वाद समारोह के रूप में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान अधिकारों में नहीं, कर्तव्य पालन और समाधानमूलक जीवन जीने में है। उन्होंने कहा कि जीवन तो समस्याओं से भरा ही हुआ है, यह जीवन किसी महाभारत के युद्ध से कम नहीं है, किंतु हमें फल की चिंता किए बिना केवल अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना है।

25 मई से निरंतर चल रहे इस पूर्ण-दिवसीय निःशुल्क शिविर में 90 से अधिक बच्चों ने प्राचीन भारतीय विधाओं के साथ-साथ आधुनिक जीवन मूल्यों को खेल-खेल में आत्मसात किया। शिविर में पुणे से पहुंचे कुशल प्रशिक्षक कुमारी गौरी एवं श्रीधर ने गहन प्रशिक्षण में बच्चों की आंतरिक प्रतिभाओं, आत्मविश्वास, स्मरण शक्ति, एकाग्रता, अनुशासन, मेधा एवं त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को निखारा। समापन समारोह शिविरार्थी बच्चों ने अपने छह दिनों के सीखे हुए संस्कारों का सजीव प्रदर्शन किया। जिसमें गोपुरम निर्माण,लाठी-काठी चालन, संगीतमय योगासन के साथ मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। शिविर के पांचवें दिन मातृ-पितृ पूजन दिवस में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अपने-अपने माता-पिता की आरती उतारी, कुमकुम तिलक किया और उनके चरण धोकर आदर एवं सम्मान दिया। कार्यक्रम में महिला माहेश्वरी समाज ने बच्चों को आम एवं शीतल पेय वितरित किया।

मास्टर्स एथलेटिक्स में छाए छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी, एक गोल्ड सहित तीन मेडल झटके

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। गोवा में आयोजित दो दिवसीय तीसरी राष्ट्रीय महिला मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की महिला एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ की ओर से महिला एथलीटों ले अलग अलग इवेंट में एक गोल्ड सहित तीन मैडल जीतने में सफलता पाई है। गोवा में यह प्रतियोगिता 30 व 31 मई को खेली गई। यह प्रतियोगिता एशियाई मास्टर्स फेडरेशन एवं वर्ल्ड मास्टर्स फेडरेशन से मान्यता प्राप्त है।

छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलेटिक्स संघ के सचिव ताजुद्दीन ने बताया कि गोवा के बंबोलिम स्टेडियम में खेली गई तीसरी राष्ट्रीय महिला मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के महिला एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता के पहले दिन छत्तीसगढ़ की महिला एथलीट विमल कुजूर ने 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ट्रिपल जंप प्रतियोगिता व 80 मी बाधा दौड़ में हिस्सा लिया।

दोनों प्रतियोगिताओं में विमला ने क्रमशः गोल्ड मेडल एवं सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इसके अलावा इंदुमती मालिया ने 65 वर्ष से अधिक वर्ग की 1500 मीटर दौड़ में ब्रांज मेडल प्राप्त किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले महिला एथलीटों को छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलेटिक्स संघ सहित अन्य खेल संघों के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्मकुमारी बहनों ने पावर हाउस रेलवे स्टेशन पल लगाई प्रदर्शनी, किया मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, राजयोग भवन सेक्टर-7 तथा राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में व्यसनमुक्त आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन प्रातः 7:00 बजे से किया गया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, एफएसएनएल के सीजीएम एचआर पंकज त्यागी तथा भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन की पर्यवेक्षक श्रीमती भोई द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के

माध्यम से ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने बताया कि धूम्रपान, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों में अनेक हानिकारक रसायन होते हैं, जो हमारे मस्तिष्क और शरीर को गंभीर क्षति पहुंचाते हैं। नशे के सेवन से व्यक्ति को क्षणिक राहत अथवा आराम का अनुभव होता है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत उसकी कमजोरी बनकर अनेक शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक समस्याओं का कारण बन जाती है तथा परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है।

उन्होंने कहा कि युवा वर्ग प्रायः शौक अथवा साथियों के प्रभाव में नशे की शुरुआत करता है, लेकिन समय के साथ तनाव, चिंता और परेशानियों के कारण उसका सेवन बढ़ता जाता है और व्यक्ति इसकी लत का शिकार हो जाता है।

नशे से मुक्त होने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण, श्रेष्ठ संग और सकारात्मक जीवनशैली आवश्यक है। राजयोग मेडिटेशन मन की शक्ति बढ़ाकर व्यक्ति को श्रेष्ठ निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, जिससे वह नशे से मुक्त होकर तनावमुक्त एवं सुखी जीवन जी सकता है।

प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में यात्रियों, युवाओं, आर पी एफ के जवान एवं आम नागरिकों ने आध्यात्मिक नशामुक्त प्रदर्शनी के संदेश को समझ कर आत्मसात किया। उपस्थित लोगों ने नशामुक्ति संकल्प दान पेटी में अपने संकल्प लिखकर अर्पित किए। प्रदर्शनी के दौरान अनेक युवाओं ने ब्रह्माकुमारी बहनों से अपने जीवन की विभिन्न समस्याओं, तनाव एवं चुनौतियों के संबंध में चर्चा कर आध्यात्मिक समाधान प्राप्त किया।

---

73 साल की उम्र में हरबंश ने बाइक से नाप दी तीर्थन घाटी, पहले भी कर चुके कमाल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग भिलाई इकाई के सक्रिय वरिष्ठ सदस्य हरबंश सिंह गिल ने राष्ट्रीय तीर्थन घाटी जलोरी दर्रा माउण्टेन बाइकिंग सह प्रशिक्षण अभियान में सफलतापूर्वक हिस्सा लेकर संस्था का नाम रोशन किया। 73 वर्षीय गिल ने राष्ट्रीय तनोट लोंगेवाला रेगिस्तान सायकल यात्रा में भी हाल ही में हिस्सा लेकर अपने साहसिक अभियान का परिचय दिया है।

वाइएचएआई इण्डिया छत्तीसगढ़ के सेक्रेटरी के. सुब्रमण्यम ने बताया कि हरबंश सिंह गिल ने इससे पहले भी अनेक आयोजनों में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करायी है। 22 अक्टूबर 2017 को जयन्ती स्टेडियम भिलाई में आयोजित 21 किलोमीटर की बीएसएफ हाफ मैराथन में भाग लिया और तीसरा स्थान प्राप्त किया था। 2017 में हैदराबाद और 2018 में बैंगलोर में आयोजित राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भाग लिया। श्री गिल ने यूथ हॉस्टल्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मुंबई-गोवा और राष्ट्रीय माउण्टेन साइकिलिंग कम एक्सपीडिशन मनाली-लेह खारदुंगला 2023 को सफलतापूर्वक पूरा किया है। दिसम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान चेन्नई, पुडुचेरी और गोवा आदि की साइकिल यात्राएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न की है।

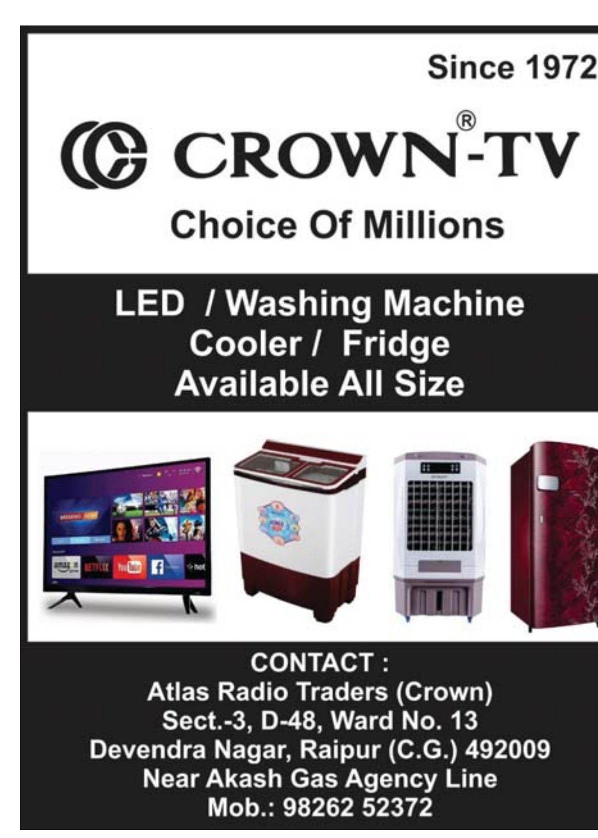

खास-खबर

एमबीयू अभियान को मिली गति, 95.91 प्रतिशत बच्चों का हुआ मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट

रायपुर । बलरामपुर जिले में स्कूली बच्चों के आधार कार्ड के मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से अब तक जिले के 33 हजार 328 बच्चों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 95.91 प्रतिशत है। अभियान का उद्देश्य बच्चों की आधार संबंधी जानकारी को अद्यतन कर उन्हें छात्रवृत्ति, शिक्षा, बैंकिंग तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराना है। राज्य शासन एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में विशेष शिविर आयोजित कर एमबीयू का कार्य किया जा रहा है। माह अक्टूबर 2025 से जिले के विद्यालयों में आधार ऑपरेटरों द्वारा विशेष शिविर लगाकर बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट किया जा रहा है। अब तक जिले में कुल 2089 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 37 आधार ऑपरेटरों की टीम ने 33 हजार 328 बच्चों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट किया है।

मोर गांव-मोर पानी महा अभियान से गांव-गांव में जल संरक्षण की नई चेतना

रायपुर। प्रदेश में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित मोर गांव-मोर पानी महाअभियान के तहत गांव-गांव में व्यापक जागरूकता और प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के माध्यम से वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा जल संरचनाओं के निर्माण को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों को जल समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विभिन्न विकासखंडों में जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा तकनीकी अमले को जल संरक्षण के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में वर्षा जल को गांव में ही रोकने तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए विभिन्न संरचनाओं के निर्माण और उपयोगिता पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को 5 प्रतिशत मॉडल रिचार्ज टैंक की संरचना और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

साहित्य समिति का वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित

राजनांदगांव। पुरवाही साहित्य समिति पाटेकोहरा का दसवां वार्षिक सम्मान समारोह ग्राम गर्रापार (छुरिया)में आयोजित किया गया। समारोह में नारायणपुर जिले के साहित्यकार और आदेश्वर ऐकेडमी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के हिन्दी शिक्षक शिवप्रसाद लहरे 'सागर ' को पुरवाही सम्मान 2026 से नवाजा गया। लहरे रानीतलाव(पाटेकोहरा) के निवासी हैं। वे पुरवाही साहित्य समिति पाटेकोहरा के संस्थापक अध्यक्ष, साकेत साहित्य परिषद, सुरगी के सदस्य भी हैं। डॉ0 पीसीलाल यादव और कुबेर सिंह साहू ने 'पुरवाही सम्मान' प्रदान किया । इस अवसर पर साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए मोहला के वरिष्ठ कवि जितेन्द्र कुमार पटेल विद्रोही और लोक-कलाकार कोमल साहू को भी साहित्य सम्मान -2026 से सम्मानित किया गया।

जन समस्या निवारण शिविर में उमड़ी लोगों की भीड़

शिकायतों का मौके पर समाधान, हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ, कलेक्टर ने बाल विवाह मुक्त जिला बनाने दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत गौरेला-पेण्ड्रा- मरवाही जिले के नगरीय क्षेत्र में पहला जन समस्या निवारण शिविर पेण्ड्रा स्थित मल्टी परपज स्कूल के असेम्बली हॉल में आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी आमजन को उपलब्ध कराई गई।

शिविर के दौरान नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के अध्यक्ष राकेश जलान ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति के लिए सीएमओ कार्यालय के एक कर्मचारी द्वारा हितग्राही से राशि मांगने की शिकायत उठाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को तत्काल जांच कराने तथा शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर पालिका अध्यक्ष राकेश जलान ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी वार्डों में विशेष शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित मांगों पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई। साथ ही नागरिकों से जल संरक्षण और अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की अपील भी की।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहे। यहां स्वास्थ्य परीक्षण, औषधि वितरण, ई-केवाईसी, प्रमाण पत्र वितरण और अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। आवास, बिजली, पशुपालन सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदनों के निराकरण की जानकारी भी संबंधित विभागों द्वारा आवेदकों को दी गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दस गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और आठ बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके साथ ही नोनी सुरक्षा योजना एवं सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 26 बच्चों को लाभान्वित किया गया।

राजस्व विभाग ने शिविर के दौरान 24 दिन के नवजात शिशु का जाति एवं निवास प्रमाण पत्र जारी कर प्रशासनिक सेवाओं की त्वरित उपलब्धता का उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अलावा चार हितग्राहियों को ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र तथा छह किसानों को किसान किताब वितरित की गई। कृषि विभाग द्वारा चार किसानों को मूंग बीज प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने पांच हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, दो हितग्राहियों को निश्चय पोषण आहार, दस हितग्राहियों को छड़ी एवं वॉकर, नौ हितग्राहियों को चश्मा तथा 14 मितानिनों को दवा किट वितरित की।

शिविर के दौरान कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने उपस्थित नागरिकों को बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक करते हुए शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आग्रह किया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की तथा 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह नहीं करेंगे और जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह रोकना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के उपाध्यक्ष शरद गुप्ता, गौ सेवा आयोग की जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष रामजी श्रीवास, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, वरिष्ठ नागरिक डॉ. नीरज जैन, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

यह शिविर न केवल समस्याओं के समाधान का मंच बना, बल्कि शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम भी साबित हुआ। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन द्वारा लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास लगातार जारी है।

गांवों में अमराई की परंपरा पुनर्जीवित करने की जरूरत: बृजमोहन अग्रवाल

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव का भव्य समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आज यहां समापन करते हुए सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में आम को बहुत पवित्र माना गया है। भारतीय जनमानस में आम का एक विशिष्ट स्थान है आम के फल से लेकर पत्ते और लकड़ी तक का धार्मिक अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों में बड़ा महत्व है। पहले हर गांव में जन सहयोग से अमराई (आम का बगीचा) लगाने की परंपरा थी जो समय के साथ-साथ धीरे धीरे विलुप्त हो रही है। अग्रवाल ने कहा कि गांवों में अमराई लगाने की परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 मई तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आज समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। समापन समारोह में आम महोत्सव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी के अंतर्गत आम की व्यवसायिक किस्में, संकर किस्में,

विशिष्ट किस्में, एक्जोटिक किस्में एवं अन्य देशी किस्में श्रेणियों में शामिल प्रादर्शों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव एक अनोखा और सफल आयोजन रहा, जिसमें देश भर के 400 से अधिक कृषक प्रतिभागियों द्वारा आम की 250 विभिन्न किस्मों के लगभग दो हजार प्रादर्श छत्तीसगढ़वासियों के अवलोकनार्थ रखे गए थे। इस आम महोत्सव को रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के लोगों का प्यार मिला और तीन दिनों तक आमों की इतनी सारी और विविध किस्मों को दखने के लिए दर्शक उमड़े रहे। तीन दिनों के आयोजन के दौरान 20 से 25 लाख रूपये के आम एवं पौधों की बिक्री होना आयोजन की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने इस सफल आयोजन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, प्रशासनिक अधिकारियों, वैज्ञानिकों तथा आयोजन समिति के सदस्यों एवं कृषकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रकृति की ओर संस्था की सहयोग से विगत तीन वर्षों में लगातार तीसरी बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव आयोजित किया गया, जिसे आम नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव में लगाई गई आम प्रदर्शनी को देखने हजारों लोग आए। महोत्सव के दौरान आम की किस्मों तथा व्यंजनों पर केन्द्रित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी वर्ष इस आम महोत्सव को और भी भव्य तथा विस्तृत रूप में आयोजित किए जाएंगे। डॉ. चंदेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की आबोहवा आम की खेती के लिए काफी उपयुक्त है। राज्य के 46 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में से लगभग ढ़ाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फलों की खेती की जा रही है, जिसमें एक लाख हेक्टेयर रकबे में आम का उत्पादन हो रहा है। आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली उत्कृष्ट संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। समापन समारोह में राष्ट्रीय आम अनुसंधान संस्थान लखनऊ के पूर्व निर्देशक प्रसिद्ध आम वैज्ञानिक डॉ शैलेन्द्र राजन, विभागाध्यक्ष खाद्य विज्ञान एवं पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नलोलॉजी (आईसीएआर) डॉ. दिनेश कुमार, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी तथा प्रकृति की ओर संस्था के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी मौजूद थे।

सुरक्षित बचपन से ही बनेगा सशक्त भविष्य: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व बाल सुरक्षा दिवस 1 जून के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया है।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका सुरक्षित, स्वस्थ और स्नेहपूर्ण वातावरण में विकास होना एक मजबूत और संवेदनशील समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के प्रति हिंसा, उपेक्षा और शोषण की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, जिन पर रोक लगाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करना आवश्यक है, जहां वे निर्भय होकर अपने सपनों को साकार कर सकें।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि हर बच्चे की मुस्कान उसके सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन से जुड़ी होती है। यदि समाज बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहेगा, तभी आने वाली पीढ़ी आत्मविश्वासी, शिक्षित और संस्कारित बन सकेगी।

उन्होंने विश्व बाल सुरक्षा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से यह संकल्प लेने की अपील की कि हर बच्चे को सुरक्षित बचपन, बेहतर शिक्षा, स्नेह और संरक्षण प्रदान करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

जरूरतमंद परिवार को मिला नया आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनकल्याण, संवेदनशील शासन और त्वरित समस्या समाधान का सशक्त माध्यम बन रहा है। यह पहल आमजन की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हो रहा है, जिससे नागरिकों में शासन के प्रति विश्वास और अपनत्व की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

इसी कड़ी में कोरबा शहर के तुलसी नगर निवासी श्री रामप्रवेश गुप्ता, पिता श्री मिश्री लाल गुप्ता, जो एक होटल में मिठाई मिस्त्री के रूप में कार्य करते हैं, को भी सुशासन तिहार के माध्यम से बड़ी राहत मिली। तीन बच्चों के साथ उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर

रहा था, जहां बारिश के दिनों में पानी रिसने, सीमित जगह और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर, पानी टंकी टीपी नगर में उन्हें उनके नए आवास की चाबी सौंपी गई। वर्षों से अपने पक्के घर का सपना संजोए गुप्ता के लिए यह क्षण बेहद भावुक और यादगार रहा। नए आवास की चाबी प्राप्त करते ही उनके चेहरे पर संतोष, खुशी और भविष्य के प्रति नया विश्वास साफझलकने लगा।

युवा प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, खेल सुविधाओं के उन्नयन पर जोर : वित्त मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ स्पोर्ट्स क्लब पहुंचकर टेनिस कोर्ट का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध खेल सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खेल अधोसंरचना के बेहतर विकास एवं खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने क्लब में अभ्यास कर रहे युवा बैडमिंटन खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त साधन भी है।

मंत्री चौधरी युवा खिलाड़ियों को पूरी लगन और समर्पण के साथ अभ्यास जारी रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि रायगढ़ की प्रतिभाओं में अपार संभावनाएं हैं। उचित मार्गदर्शन और बेहतर सुविधाओं के माध्यम से ये खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेल अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उनका उद्देश्य है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को समान अवसर मिलें तथा वे अपनी प्रतिभा का सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकें।

इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारी, खेल प्रेमी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों ने वित्त मंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए और खेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर चर्चा की।

स्वच्छता से समृद्धि की राह-अब घर-घर होगा कचरे का पृथक्करण

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 पर जिला स्तरीय कार्यशाला, कलेक्टर बोलीं- स्वच्छता को बनाएं जन आंदोलन

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, सुरक्षित पर्यावरण और बेहतर भविष्य की आधारशिला है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए जिले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री संतान देवी जांगड़े की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यशाला में अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को कचरा प्रबंधन के नए नियमों और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के जिला सलाहकार राजेश जैन ने नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों, कार्ययोजना और क्रियान्वयन प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि अब स्रोत स्तर पर ही गीला, सूखा, सैनिटरी और जोखिमपूर्ण कचरे का पृथक्करण अनिवार्य होगा तथा कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कलेक्टर संतान देवी जांगड़े ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंकी गई प्लास्टिक एवं कांच की बोतलें पर्यावरण के साथ-साथ पशुओं के लिए भी गंभीर खतरा बनती हैं। उन्होंने कहा कि लोग कचरा जहां-तहां फेंक देते हैं और बाद में उसी गंदगी के लिए प्रशासन को दोषी ठहराते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए, तो जिले की तस्वीर बदल सकती है।

जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम ने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली है। इसकी शुरुआत घर से होती है और यही संदेश गांव, शहर और पूरे देश तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य केवल नियमों की जानकारी देना नहीं, बल्कि लोगों में व्यवहारगत परिवर्तन लाना है। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे यहां प्राप्त जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाएं, ताकि कचरे का पृथक्करण और वैज्ञानिक प्रबंधन जन आंदोलन का रूप ले सके।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू ने प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक निपटान के लिए रीसाइक्लिंग केंद्रों की स्थापना की आवश्यकता बताई। उन्होंने हाट-बाजारों में ई-रिक्शा आधारित कचरा संग्रहण व्यवस्था विकसित करने का सुझाव भी दिया, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मैजिक देखने के लिए तैयार हो जाइए

मृणाल ठाकुर ने दिया खास प्रोजेक्ट का हिंट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच उन्होंने खुलासा किया है कि वह किसी बहुत खास प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, ऑल राइट, लेट्स गो! उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, कुछ बहुत-बहुत खास के लिए डबिंग कर रही हूं! उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकती, जिसे हमने बनाया है। मेरा दिल बेहद भावुक है और मैं भगवान की बहुत आभारी हूं! जल्द ही घोषणा करूंगी।

है जवानी तो इश्क होना है जून में रिलीज होने जा रही है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जिसे कई लड़कियों ने रिजेक्ट कर दिया था। वह अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहा था लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उसके जीवन में बड़े बदलाव आते हैं।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि है जवानी तो प्यार होना है डेविड धवन की फिल्म बीवी नंबर 1 का एक सुपरहिट गाना है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन नजर आए थे। माना जा रहा है कि आने वाली इस फिल्म का नाम इसी लोकप्रिय गाने से प्रेरित है। यह डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी।

उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म ताकतवर से की थी। डेविड धवन ने अपने करियर में 45 फिल्मों का निर्देशन किया है। इनमें आंखें, बीवी नंबर 1, जुड़वा, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, दीवाना मस्ताना, शोला और शबनम, राजा बाबू, बड़े मियां छोटे मियां, हसीना मान जाएगी, दुल्हन हम ले जाएंगे, मुझसे शादी करोगी, मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, चश्मे बद्दूर और मैं तेरा हीरो जैसी फिल्में शामिल हैं। वहीं, मृणाल ठाकुर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी।

वह मुझसे कुछ कहती ये खामोशियां और कुमकुम भाग्य जैसे टीवी शो में नजर आई थीं। उन्होंने 2018 में फिल्म लव सोनिया से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके बाद वह सुपर 30, बाटला हाउस, सीता रामम और हाय नन्ना जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

शाहिद कपूर ने फैंस को दिखाया अपना बचपन का स्वैग तस्वीर शेयर कर बोले- तब भी कमाल का था फैशन सेंस

अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल-2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। शनिवार को अभिनेता ने फैंस के साथ अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेता ने तस्वीर पोस्ट की। इसमें छोटा-सा शाहिद मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर बड़े ही स्वैग के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में शाहिद कपूर का अंदाज वाकई देखने लायक है। इस फोटो को शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, जब आपको बाइक्स का बेहद शौक हो और आपको खुद भी इस बात का अंदाजा न होज् जैसा कि आप इस फोटो में देख सकते हैं, मेरा फैशन सेंस भी बचपन से ही काफी शानदार था। अभिनेता शाहिद कपूर जल्द ही आगामी फिल्म कॉकटेल-2 में नजर आएंगे। यह फिल्म सुपरहिट रोमांटिक ड्रामा फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। फिल्म का संगीत प्रीतम द्वारा तैयार किया गया है। इसका रोमांटिक ट्रैक तुझको, सॉन्ग माशूका और जब तलक पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। आधुनिक रिश्तों और भावनात्मक उलझनों पर आधारित इस फिल्म में एक नया और दिलचस्प लव-ट्रायंगल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी बिल्कुल नए किरदारों के साथ आज के दौर के आधुनिक रिश्तों पर आधारित है। बताया जा रहा है कि इसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल के रूप में नजर आ सकती हैं, जबकि शाहिद कपूर लव-ट्रायंगल का हिस्सा होंगे।

होमी अदजानिया इसके निर्देशक हैं, जिन्होंने पहली कॉकटेल का निर्देशन भी किया था। यह पहली बार है जब शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना एक साथ किसी फिल्म में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब देखना होगा कि इस सीक्वल को दर्शक कैसा रिस्पॉन्स देते हैं।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है, पेड्डी को लेकर बोलीं जाह्नवी कपूर

आगामी फिल्म पेड्डी को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं।

हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं। साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है।

उन्होंने कहा, मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला।

जाह्नवी ने कहा, मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!

सुरभि ज्योति ने बेबी शॉवर में रखी पेस्टल थीम पार्टी, साथ मनाया 38वां जन्मदिन

सुरभि ज्योति ने हाल ही में अपना 38वां जन्मदिन और बेबी शॉवर एक साथ मनाया। इसकी पार्टी की थीम सुरभि ने पेस्टल रखी। जिसकी तस्वीरें और वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए हैं। समारोह की कुछ झलकियाँ साझा कीं, जिसमें करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए थे।

मशहूर टीवी अभिनेत्री सुरभि ज्योति के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। सुरभि के लिए यह समय बेहद खास है। उन्होंने हाल ही में अपना 38वां जन्मदिन मनाया और इसके साथ ही अपने पहले बच्चे के स्वागत के लिए एक बेहद खूबसूरत बेबी शॉवर (गोद भराई) पार्टी भी रखी। जिसका वीडियो सुरभि ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है।

कैसी रही गोद भराई की पार्टी?

पूरी पार्टी को बहुत ही प्यारे और हल्के पेस्टल रंगों से सजाया गया। यह एक पेस्टल थीम पार्टी रही। हर तरफ खूबसूरत फूल लगे हैं, जिससे माहौल किसी फेयरी टेल जैसा लग रहा है। होने वाले बच्चे को बुरी नजर से बचाने के लिए पार्टी में विशेष रूप से 'इविल आई' थीम की दुआएं और आशीर्वाद भी शामिल किए गए थे।

कौन-कौन हुआ शामिल

यह एक प्राइवेट पार्टी थी, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त शामिल हुए। टीवी इंडस्ट्री से सुरभि की खास दोस्त अनीता हसनंदानी और आशा नेगी भी इस खुशी के मौके पर मौजूद थीं। सुरभि और उनके पति सुमित सूरी ने इसी साल फरवरी 2026 में फैंस के साथ यह खुशखबरी शेयर की थी। जन्मदिन और गोद भराई का जश्न एक साथ होने से सुरभि और सुमित के लिए यह दिन हमेशा के लिए यादगार बन गया है।

सुरभि का खूबसूरत लुक

सुरभि इस मौके पर बेहद खूबसूरत लगीं। इस खास दिन के लिए सुरभि ने हल्के बैंगनी (लैवेंडर) रंग का एक ढीला-ढाला और खूबसूरत मैटरनिटी गाउन पहना, जिसमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। अपने लुक को पूरा करने के लिए सुरभि ने मोती के झुमके और सोने-मोती का कंगन पहना। सुरभि का मेकअप बहुत ही हल्का और नेचुरल है। उन्होंने अपने बालों को आधे खुले और आधे बंधे स्टाइल में रखा और बालों में ताजे फूल लगाए।

सुरभि ज्योति का करियर

सुरभि ज्योति का करियर भारतीय टेलीविजन और पंजाबी सिनेमा में काफी सफल रहा है। उन्हें मुख्य रूप से लोकप्रिय शो 'कुबूल है' में 'जोया फारूकी' की भूमिका और सुपरनैचुरल शो 'नागिन 3' में 'बेला' का किरदार निभाने के लिए सबसे ज्यादा लोकप्रियता मिली है।

'थिएटर डिटॉक्स जैसा लगता है'

बदलते दौर में नाटक की अहमियत पर श्वेता त्रिपाठी ने साझा की खास बातें

'मिर्जापुर' सीरीज फेम अदाकारा श्वेता त्रिपाठी फिल्मों और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम बन चुकी हैं। लेकिन थिएटर को लेकर अपने प्यार को वह भूली नहीं हैं। इन दिनों वह अपने एक नए नाटक 'एक्सटर्नल अफेयर्स' को लेकर चर्चा में हैं। इस नाटक और करियर को लेकर कई बातें श्वेता त्रिपाठी ने अमर उजाला के साथ साझा की हैं।

हमने खुद को बोर होने देना बंद कर दिया है

अपने नए नाटक के बारे में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, 'आज हम कहीं भी हों, डॉक्टर के पास, स्टेशन पर या घर पर, दो मिनट खाली मिलते ही फोन उठा लेते हैं। हमने खुद को बोर होने देना बंद कर दिया है। हमें लगता है कि हम फोन पर प्रोडक्टिव हैं। लेकिन असल में हमारा दिमाग हर वक्त इधर-उधर भाग रहा होता है। पहले लोग बैठकर चीजों को महसूस करते थे, अब हर चीज जल्दी चाहिए। ऐसे समय में थिएटर बहुत जरूरी हो जाता है, क्योंकि यहां आप एक कहानी के साथ बैठे होते हैं। आप लोगों के साथ मिलकर हंसते हैं, चुप होते हैं, असहज महसूस करते हैं। आज किसी से कहना कि अगले 90 मिनट फोन मत देखो, तो यह एक क्रांतिकारी बात हो जाएगी।'

श्वेता आगे कहती हैं, 'आज लोग सोशल मीडिया पर बहुत जुड़े हैं लेकिन भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। लोगों के पास बोलने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन सुनने की क्षमता कम हो गई है। मानसिक रूप से भी हम बहुत बिखर चुके हैं। थिएटर उस रुकावट को तोड़ता है। वहां कोई एडिट नहीं है, कोई कट नहीं है, कोई एल्गोरिदम नहीं है। वहां सिर्फ असली इंसान हैं। एक साझा अनुभव है। मुझे लगता है कि आज साथ बैठकर कुछ महसूस करना ही हीलिंग बन गया है। साथ हंसना, अजीब चुप्पी महसूस करना, असहज होना, ये सब अब असल जिंदगी में कम होता जा रहा है। शायद इसलिए थिएटर अब सिर्फ कला नहीं बल्कि इमोशनल डिटॉक्स जैसा लगता है।'

नाटक में दिखेगी रिश्तों और इंसानी भावनाओं की कहानी

अपने नए नाटक 'एक्सटर्नल अफेयर्स' के बारे में बात करते हुए श्वेता हंसते हुए कहती हैं, 'पहली बार जब मैंने यह नाम सुना था, मैं भी उत्साहित और उलझन दोनों में थी। लगा था कि शायद कोई राजनीतिक कहानी होगी, लेकिन यह नाटक असल में रिश्तों और इंसानी भावनाओं की कहानी है। आज डेटिंग ऐप्स हैं, तुरंत बातचीत है, बहुत सारे विकल्प हैं, लेकिन असली इंसानी जुड़ाव कम हो गया है। हम आपस में जुड़ बहुत रहे हैं, लेकिन एक-दूसरे को समझ कम पा रहे हैं। मुझे लगता है कि आज रिश्ते परीक्षा जैसे हो गए हैं। प्रश्नपत्र कुछ और निकल आता है और हम तैयारी किसी और चीज की करके बैठे होते हैं।'

पति के साथ साझा किया नाटक का मंच

शादी के बाद पहली बार पति चैतन्य के साथ मंच साझा करने को लेकर श्वेता कहती हैं, 'हम दोनों के काम करने का तरीका बहुत अलग है। चैतन्य बहुत अनुशासित अभिनेता हैं। वह डायलॉग पर बहुत काम करते हैं। मैं बिल्कुल उलट हूं। मैं पहले किरदार की भावनाएं पकड़ती हूं और डायलॉग बाद में। कई बार मैं डायलॉग टालती रहती हूं और वो पहले से पूरी तैयारी करके बैठे होते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमारे तरीके अलग होने की वजह से हम लगातार एक-दूसरे से सीखते रहते हैं। जब कोई जोड़ा साथ में आगे बढ़ता है, तो वह तरक्की दोगुनी हो जाती है।'

थिएटर में गलती छुप नहीं सकती है

थिएटर और कैमरे के फर्क पर श्वेता कहती हैं, 'कैमरे में दोबारा मौका मिल सकता है, बाद में चीजें ठीक की जा सकती हैं लेकिन मंच पर अगर आप एक पल के लिए भी डगमगाए, तो दर्शक उसे तुरंत महसूस कर लेते हैं। थिएटर की ऑडियंस सिर्फ देखती नहीं, जीती है। अगर कोई जोर से हंसता है, ताली बजती है या चुप्पी छा जाती है, तो वह एनर्जी पूरे कमरे में फैलती है। खासकर छोटे थिएटर स्पेस में लोग बिल्कुल पास-पास बैठे होते हैं। यही चीज थिएटर को बाकी प्लेटफार्म से अलग बनाती है।'

थिएटर के भविष्य पर बात करते हुए श्वेता कहती हैं, 'आज हर चीज लोगों का ध्यान मांग रही है। रील्स, फिल्में, म्यूजिक, सोशल मीडिया हर कोई आपके फोन पर है। थिएटर के पास बड़े मार्केटिंग बजट नहीं होते हैं। ऐसे में लोगों के बीच बातचीत और माउथ पब्लिसिटी के जरिए पहुंचने वाली चर्चा बहुत जरूरी हो जाती है। कई बार लोगों को पता ही नहीं होता कि कोई अच्छा नाटक चल भी रहा है। लेकिन साथ ही मुझे लगता है कि थिएटर को लोगों तक पहुंचाने के लिए उसे पूरी तरह सोशल मीडिया वाला कंटेंट बना देना भी सही नहीं है। थिएटर की अपनी एक सच्चाई और अलग खूबसूरती है, वही बची रहनी चाहिए।

थिएटर ने मुझे में मेरा जीवनसाथी भी दिया

श्वेता मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'थिएटर ने मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत कुछ दिया है। यहां तक कि मेरी और मेरे पति की मुलाकात भी एक नाटक की वजह से हुई थी। थिएटर आपको सिर्फ अभिनय करना नहीं सिखाता, वह आपको सुनना, महसूस करना, वर्तमान में रहना और लोगों से सच्चे तरीके से जुड़ना सिखाता है। आज लोग कंटेंट बहुत कंज्यूम कर रहे हैं, लेकिन शायद महसूस कम कर रहे हैं। थिएटर वही फीलिंग वापस लाता है।'

निगम के 06 वार्डों में होंगे 01 करोड़ 08 लाख के नये विकास कार्य

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में किया गया विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत वार्ड 61, 64 तथा दर्री जोनांतर्गत वार्ड 52, 53, 54 एवं 58 में 01 करोड़ 08 लाख रूपये के नये विकास कार्य कराये जायेंगे, प्रदेश के उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य तथा महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित पृथक-पृथक भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया।

नगर पालिक निगम केरबा द्वारा सर्वमंगलानगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 61 बरमपुर बीच बस्ती ट्रांसफर्मर के पास से नदी तक 20 लाख रूपये की लागत से नाली एवं कलवर्ट का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 61 बरमपुर में चैतु मंझवार के खेत के पास से नदी तक 20 लाख रूपये की लागत से नाली एवं कलवर्ट निर्माण तथा वार्ड क्र. 64 इमलीछापर स्थित रामनगर कंचन कंवर के घर से राजेश सोनवानी घर होते हुये नदी तक 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य कराया जाना हैं। इसी प्रकार निगम के दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 52 शारदा चैक गोपाल तिवारी घर से राजकुमार कबाड़ी घर, चित्रा साहू गली शंभू घर से रामानुज घर एवं सतनाम चैक गली में 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य कराया जाना हैं, वहीं वार्ड क्र. 53 में ही पावर सिटी कालोनी के पास 06 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच का निर्माण, वार्ड क्र. 54 डुमरमुड़ा बस्ती में ठाकुर देव स्थल के पास 03 लाख रूपये की लागत से शेड का निर्माण, वार्ड क्र. 54 में स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल गोपालपुर में 05 लाख रूपये की लागत से किचन शेड निर्माण व अन्य विस्तार कार्य के साथ-साथ वार्ड क्र. 58 सरदार वल्लभभाई पटेलनगर प्रतीक्षा बस स्टैण्ड के समीप 22 लाख 55 हजार रूपये की लागत से वेंडिंग जोन का निर्माण किया जाना हैं। आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत के द्वारा इन सभी विकास कार्यो का विधिवत भूमिपूजन किया गया, उन्होने पूजा अर्चना की, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा कार्यो को प्रारंभ कराया। इधर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में विगत सवा दो वर्ष के दौरान पूर्व में किये गये सभी वायदों को राज्य सरकार पूरा कर रही है, प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना अंतर्गत 1000 रूपये प्रतिमाह उनके खाते में भेजा जा रहा है, 3100 प्रति क्विंटल धान की खरीदी, बकाया बोनस का भुगतान, तेदूपत्ता मानक बोरे की दर में वृद्धि, 26 लाख पी.एम.आवासगृहों की स्वीकृति, रामलला दर्शन योजना अंतर्गत भगवान श्रीराम के दर्शन लाभ दिलाने सहित दर्जनों योजनाएं संचालित हो रही है। महापौर संजूदेवी राजपूत ने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि आप सब के आशीर्वाद से केन्द्र में, राज्य में तथा कोरबा नगर निगम में हमारी सरकार बनी है तथा यह ट्रिपल इंजन की सरकार जिले, प्रदेश व देश का तेजी से विकास कर रही है।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना था कि हर व्यक्ति के पास उनका अपना स्वयं का पक्का मकान हों, वे झोपड़ी में न रहें, आज मोदी का यह सपना पूरा हो रहा है तथा हर व्यक्ति के पास अपना स्वयं का पक्का मकान होने जा रहा है।

राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पूरा आशीर्वाद विकास हेतु प्राप्त हो रहा हैं तथा राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु राज्य सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, एक ओर जहॉ विकास को तेज गति व दिशा दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर केन्द्र व राज्य सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं से आमलोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा रहा है। उन्होने कहा कि हमारा मानना है कि छत्तीसगढ़ राज्य को हमारी ही सरकार ने बनाया था, और अब हमारी ही सरकार छत्तीसगढ़ को संवार रही है। उद्योग मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश का तेजी से विकास हो रहा है, देश के कोने-कोने में फोरलेन - सिक्सलेन सड़कें बन रही है तथा हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है, वहीं गरीब कल्याण की दर्जनों योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही है।

खास खबर

बागवानी फसलों से किसानों की आय में हो रही समृद्धि

कोरबा। जिले में उद्यानिकी (बागवानी) फसलों की खेती किसानों के लिए आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ-साथ अब बड़ी संख्या में किसान बागवानी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जिले में सैकड़ों किसान सब्जी एवं अन्य उद्यानिकी फसलों का उत्पादन कर बेहतर लाभ अर्जित कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि अंतर्वर्ती एवं विविध फसलों की खेती के परिणाम पहले भी उत्साहजनक रहे हैं और वर्तमान में भी किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। उनका कहना है कि लगातार एक ही प्रकार की फसल लेने से उत्पादन लागत बढने, मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होने तथा मौसम संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत उद्यानिकी फसलों से किसानों को कम समय में बेहतर आमदनी प्राप्त हो रही है। अधिकारियों के अनुसार कोरबा जिले में उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए अनुकूल जलवायु और पर्याप्त कृषि भूमि उपलब्ध है। किसानों के अनुभव भी इस दिशा में सकारात्मक रहे हैं। पहले जहां अधिकांश किसान धान और अन्य पारंपरिक फसलों पर निर्भर थे, वहीं अब कई किसान नई तकनीकों और विभागीय मार्गदर्शन के साथ बागवानी खेती को अपना रहे हैं।

छत्तीसगढ प्रखर पत्रकार महासंघ सभी सदस्यों का होगा बीमा और स्वास्थ्य जांच

बिलासपुर। सर्किट हाउस में 'छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ' की महत्वपूर्ण और आवश्यक बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस बैठक में महासंघ के प्रांतीय, संभागीय और जिला स्तर के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में वरिष्ठ व युवा पत्रकार साथी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती, छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में संगठन का विस्तार तथा पत्रकार साथियों के हित व कल्याण के लिए आगामी योजनाओं पर ठोस रणनीति तैयार करना था। बैठक के प्रथम सत्र में छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा संगठन की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन की पहुंच राज्य के अंतिम छोर पर बैठे ग्रामीण पत्रकारों तक सुनिश्चित की जाएगी। उपस्थित सभी पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी सौंपते हुए संभाग और जिला स्तर पर सदस्यता अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

बदरा जलाशय के बांध और नहर के कार्यों के लिए 4.17 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग ने कोरिया जिले के विकासखण्ड सोनहत स्थित बदरा जलाशय के बांध एवं नहर के नवीनीकरण कार्य के लिए 4 करोड़ 17 लाख 75 हजार रुपए की स्वीकृति दी है। योजना के तहत प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र के किसानों को 355 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे खरीफ और रबी दोनों फसलों के उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। योजना के अंतर्गत कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता, हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विभाग ने कार्य को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। बदरा जलाशय के नवीनीकरण से क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और भू-जल स्तर में भी सुधार होने की संभावना है।

जल संरक्षण के साथ मिल रहा बंपर रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के तहत बिलासपुर जिले में मोर गांव, मोर तरिया अभियान को तेजी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से न सिर्फ गांवों में जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, बल्कि ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की एक मजबूत नींव भी तैयार हो रही है। राज्य सराकर के जल संरक्षण अभियान को एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

अभियान के तहत बिलासपुर जिले के जनपद पंचायत मस्तूरी की ग्राम पंचायत बोहारडीह में नवीन तरिया (तालाब) निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। प्रशासन ने आने वाले मानसून को ध्यान में रखते हुए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत वर्षाकाल शुरू होने से पहले निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि आगामी सीजन में वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

जल संकट के स्थाई समाधान के लिए जिले में व्यापक स्तर पर जल संरचनाओं का विस्तार किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले में कुल 38 नवीन तरिया (तालाब) निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सभी स्वीकृत तालाबों का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है ताकि वर्षाकाल में पानी रोकने की मजबूत व्यवस्था विकसित हो। इन तालाबों के निर्माण से क्षेत्र के भू-जल स्तर में सुधार होगा, फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा, मवेशियों के लिए निस्तारी की सुविधा होगी और गर्मियों में होने वाले जल संकट से मुक्ति मिलेगी।

'ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर मिल रहा रोजगार'

मोर गांव, मोर तरिया अभियान दोहरे लाभ के साथ ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इन निर्माण कार्यों में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण श्रमिकों को नियोजित किया गया है। गांवों में तालाबों के रूप में स्थाई जल संपदा का निर्माण हो रहा है। श्रमिकों को अपने ही गांव में रोजगार मिलने से पलायन पर रोक लगी है और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है।

'गुणवत्ता पर विशेष नजर'

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सभी निर्माण स्थलों की सतत मॉनिटरिंग (निगरानी) की जा रही है, जिससे कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और सभी कार्य तय समय-सीमा के भीतर पूरे किए जा सकें।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जनगणना में सहयोग के लिए जिलेवासियों का जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। जनगणना 2027, हमारे देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जो केवल आंकड़ो का संकलन नहीं बल्कि भविष्य के भारत और हमारे राज्य व जिले के विकास की ठोस नींव तैयार करने का कार्य करेगा। यह प्रक्रिया हमें यह समझने में सक्षम बनाती है कि समाज के विभिन्न वर्गों तक विकास के लाभ किस प्रकार और कितनी प्रभावशीलता से पहुँच रहे हैं।

भारत की जनगणना 2027 का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में दो चरणों में संपादित किया जा रहा है। प्रथम चरण यथा मकानसूचीकरण एवं मकानों के गणना का फील्ड कार्य 01 मई 2026 से प्रारम्भ होकर 30 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपादित हो गया है।

द्वितीय चरण जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी, 2027 में संपादित किया जाएगा। प्रथम चरण में की गई मकान सूचीकरण का कार्य द्वितीय चरण के जनसंख्या गणना कार्य के लिए एक फ्रेम प्रदान करती है, जिससे कि द्वितीय चरण जनसंख्या गणना कार्य के दौरान कोई भी मकान एवं उसमें रहने वाले परिवार गणना से न छूटे।

प्रथम चरण मकान सूचीकरण कार्य के दौरान राज्य के सभी ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रगणकों के द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न जो कि मकानों की स्थिति, परिवारों का उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित थी, की जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से संकलित की गई। अब यह जानकारी भारत सरकार के सर्वर में सुरक्षित रख ली गई है।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने रायपुर में आईसीएआर-एनआईबीएसएम की गतिविधियों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने रायपुर का दौरा किया और सर्किट हाउस, नवा रायपुर में आयोजित एक बैठक में आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम) की गतिविधियों और उपलब्धियों की समीक्षा की। इस अवसर पर, आईसीएआर-एनआईबीएसएम के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने मंत्री जी का पुष्प गुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

उन्होंने संस्थान के चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों, तकनीकी हस्तक्षेपों और कृषि उत्पादकता एवं स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से किसान-केंद्रित पहलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। अपने प्रस्तुतीकरण के दौरान, डॉ. राय ने भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों, विशेष रूप से एससीएसपी, टीएसपी और एनईएच कार्यक्रमों के तहत संस्थान के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से बताया कि क्षमता निर्माण, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी प्रसार और कृषि इनपुट एवं उपकरणों के वितरण के माध्यम से किसानों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान दे रहे है। मंत्री जी को कृषि आय में सुधार और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि पद्धतियों को मजबूत करने के उद्देश्य से संस्थान की पहलों से भी अवगत कराया गया।

इसके बाद वैज्ञानिकों के साथ एक संवादात्मक सत्र हुआ, जिसमें श्री रामनाथ ठाकुर ने कृषि क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने और टिकाऊ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने मेंआईसीएआर-एनआईबीएसएम के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने कृषि समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले संस्थान के प्रभावशाली अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों की प्रशंसा की।

अबूझमाड़ की महिलाओं को मिली आर्थिक मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम इरकभट्टी (तहसील कोहकामेटा) में को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 134 वें संस्करण के प्रसारण के बाद महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप वनमंडल नारायणपुर के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को चक्रिय निधि की राशि और शहद संग्राहकों को शहद संग्रहण किट वितरित की।कार्यक्रम में 13 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 27 लाख रुपये की चक्रिय निधि ऋण प्रदान किया गया। यह राशि महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आजीविका मजबूत करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दी गई है।

नक्सलमुक्त हो रहे अबूझमाड़ क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है। इन समूहों को दोना-पत्तल निर्माण, महुआ पत्ता क्रय, फूलझाड़ू प्रसंस्करण, किराना एवं कैंटीन संचालन, गृह उद्योग स्थापना, मसाला निर्माण, लघु वनोपज प्रसंस्करण, बेकरी संचालन और होटल व्यवसाय जैसे आजीविका आधारित कार्यों के लिए सहायता दी गई है। इसके साथ ही ग्राम तेरदूल, बोगान, कोलियारी, पानीगांव, चियानार, रेंगाबेड़ा, केरलापाल और टेमरूगांव के 12 हितग्राहियों को शहद संग्रहण किट वितरित की गई, जिससे वे शहद संग्रहण के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। कार्यक्रम में राज्य लघु वनोपज संघ के प्रदेश अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत नारायणपुर के अध्यक्ष नारायण मरकाम, संध्या पवार सहित जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार और आसपास के लगभग 700 ग्रामीण उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय व्यक्तित्व निर्माण शिविर का हुआ समापन

बीजापुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वाधान में युवा प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में जिला बीजापुर में पांच दिवसीय आवासीय व्यक्तित्व युवा निर्माण शिविर का आयोजन दिनांक 27 से 31 मई को किया गया जिसमें पूरे बीजापुर जिले से 100 भाई बहन शामिल हुए साथ ही साथ इसमें 30 ऐसे आत्मसमर्पित पुनर्वास भाई बहन जो की हथियार छोड़कर मुख्य धारा में जुड़े उन्होंने भी शिविर का पूरे 5 दिनों तक लाभ लिए। इन पांच दिनों में शिवरात्रि भाई बहनों को विभिन्न विषय जैसे योग प्राणायाम, जीवन लक्ष्य एवं कैरियर निर्माण, सफलता के सूत्र ,बुद्धि बढ़ाने के वैज्ञानिक उपाय, व्यक्तित्व निर्माण के सूत्र, स्वास्थ्य सुरक्षा, उद्देश्य गायत्री परिवार के सप्तसूत्री आंदोलन आदि विषयों पर प्रोजेक्टर के माध्यम से ज्ञानवर्धक बातें बताई गई।

90 वर्ष पूरे होने पर दिखा उत्साह और एकता का अनोखा संगम

आकाशवाणी के वॉकेथॉन रैली में उमड़ा जनसैलाब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को रायगढ़ में आयोजित वॉकेथॉन रैली में जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। प्रात: 9 बजे आकाशवाणी रायगढ़ परिसर से शुरू हुई यह रैली डिग्री कॉलेज चौक और रोज गार्डन होते हुए पुन: परिसर में संपन्न हुई।

इस आयोजन में बच्चे, युवा, बुजुर्ग, रेडियो श्रोता संघ के सदस्य सहित विभिन्न वर्गों के 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों में विशेष जोश देखने को मिला। आकाशवाणी अमर रहे के नारों के साथ लोग कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते नजर आए। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और एकजुटता का अद्भुत संगम दिखाई दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली, सामाजिक जागरूकता और जनसंपर्क को बढ़ावा देना रहा।

आकाशवाणी के 90 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को समर्पित इस कार्यक्रम में रेडियो की सामाजिक भूमिका और जनसंचार में उसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आकाशवाणी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल युग में भी रेडियो आज लोगों के दिलों से गहराई से जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम प्रमुख रवि आनंद ने बताया कि आकाशवाणी एट 90 कार्यक्रम जून 2025 से शुरू होकर एक वर्ष तक चला, जिसमें रेडियो की ऐतिहासिक यात्रा और इसकी बदलती भूमिका को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर पूर्व कार्यक्रम अधिशासी नीरज प्रभाकर ने रेडियो की शुरुआत और उसके विकास की विस्तृत जानकारी दी, वहीं नोडल अधिकारी भूपत सिंह ध्रुव ने प्रसारण के उतार-चढ़ाव पर प्रकाश डाला।

इस दौरान वरिष्ठ उद्घोषक गिरजा शंकर साहू, रिटायर्ड कृषि विकास अधिकारी आर.एन. साहू सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में चक्रधरनगर पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में रेडियो श्रोता संघ की सक्रिय भागीदारी भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वर्षों से आकाशवाणी से जुड़े श्रोताओं ने कार्यक्रम में शामिल होकर इसकी गरिमा को और बढ़ाया। उनकी भागीदारी ने रेडियो और श्रोताओं के बीच मजबूत संबंध को एक बार फिर उजागर किया।

खास खबर

चाकू लहराकर दहशत फैला रहे दो बदमाश गिरफ्तार भेजे गए जेल

रायपुर। चाकूबाजों के खिलाफ चल रहे पुलिस अभियान के बीच टिकरापारा पुलिस ने दो ऐसे युवकों को धर दबोचा जो खुलेआम धारदार चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैला रहे थे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से इलाके में भय का माहौल खत्म हुआ और दोनों आरोपी सीधे सलाखों के पीछे पहुंच गए। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दुर्गापारा संतोषी नगर और सरजू बांधा तालाब के पास कुछ युवक धारदार चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मरई के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीमों का गठन किया गया और तत्काल मौके पर रवाना किया गया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कड़ी मशक्कत के बाद दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उमेश जोशी पिता स्वर्गीय राजेश जोशी, उम्र 23 वर्ष, निवासी सुमित बाजार के पीछे संतोषी नगर तथा इरफान रजा उर्फ आकिब पिता मोहम्मद, उम्र 23 वर्ष, निवासी संजय नगर सुलभ के पास, थाना टिकरापारा रायपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से एक-एक धारदार लोहे का चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 467/2026 एवं 468/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

बायपास रोड पर में 40 पौवा और बाइक समेत दो आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग जिले में अवैध शराब कारोबार पर पुलिस ने एक और बड़ा प्रहार। पुलिस को सूचना मिली कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल में अवैध रूप से देशी शराब रखकर बिक्री के लिए परिवहन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना नंदिनी नगर पुलिस ने बिना समय गंवाए बायपास रोड स्थित खदान चौक पर घेराबंदी की। कुछ ही देर में संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई तो पुलिस के सामने पूरा मामला खुल गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान लक्की पिता सुरेन्द्र गेण्ड्रे (19 वर्ष) एवं गौकरण पिता नंद कुमार बंजारे (27 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम मलपुरी खुर्द, थाना नंदिनी नगर, जिला दुर्ग के रूप में बताई। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 40 पौवा देशी मदिरा शराब बरामद की गई जिसकी कीमत लगभग 4 हजार रुपये आंकी गई। वहीं परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई जिसकी कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई। इस तरह पुलिस ने कुल 34 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। बरामदगी के बाद आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 166/2026 के तहत धारा 34(2) आबकारी एक्ट में मामला दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.77 करोड़ की ठगी

एमआर समेत 14 लोगों को डीमैट अकाउंट खुलवाने का झांसा, आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव और उसके साथियों के साथ 1.77 करोड़ की ठगी हुई है। आरोप है कि शेयर ट्रेडिंग के नाम पर डीमैट अकाउंट खुलवाने का झांसा देकर उनसे बड़ी रकम इन्वेस्ट कराया गया। पीड़ितों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दरोगापारा निवासी संजय मिश्रा (42) मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव का काम करते हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि साल 2022 में उनकी मुलाकात पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के ईटला कोरापारा कलीराहाट निवासी विश्वजीत देवनाथ से हुई थी।

विश्वजीत ने खुद को एलईडी बल्ब मैन्युफैक्चरिंग और शेयर मार्केट ट्रेडिंग का कारोबारी बताते हुए संजय को इन्वेस्टमेंट का प्रस्ताव दिया। उसने कहा कि इन्वेस्टमेंट करने पर शेयर मार्केट में डीमैट अकाउंट खोलकर हर महीने 6 प्रतिशत ब्याज और मूलधन का 10 प्रतिशत हिस्सा वापस किया जाएगा।

विश्वजीत की बातों पर भरोसा कर संजय ने आईसीआईसीआई बैंक, रायगढ़ से 12 लाख रुपये का लोन लिया और उसके बताए अनुसार जीटीजी प्रोडक्ट सर्विस के खाते में राशि जमा कर दी। निवेश के बाद शुरुआती 4 से 5 महीनों तक उन्हें नियमित रूप से ब्याज का भुगतान भी मिलता रहा, जिससे उनका भरोसा और बढ़ गया।

14 लोगों ने किया 1.77 करोड़ से ज्यादा इन्वेस्ट

कुछ समय बाद विश्वजीत देवनाथ ने संजय मिश्रा को निवेश से मिलने वाली 11 प्रतिशत राशि को दोबारा निवेश करने की सलाह दी। उसके झांसे में आकर संजय ने यह जानकारी अपने परिचितों और साथियों को भी दी।

इसके बाद संजय मिश्रा समेत विकास साहू, राकेश कुमार मनहर, रितेश साव, देव कश्यप, सुनील पाणिग्राही, शिशुपाल, कृष्णा पांडेय, कृष्णा द्विवेदी, राकेश सरकार, लोचन पटेल, मनील गुप्ता, श्रीमंत मिश्रा और अजय वर्मा ने मिलकर कुल 1 करोड़ 77 लाख 10 हजार रुपए इन्वेस्ट कर किए।

डि-मैट अकाउंट से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं दिया

बाद में संजय और उसके साथियों को जानकारी मिली कि शेयर ट्रेडिंग और ट्रांजेक्शन के लिए डीमैट अकाउंट होना आवश्यक है। विश्वजीत देवनाथ ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि वह सभी का डीमैट अकाउंट खुलवाएगा, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी डीमैट अकाउंट खुलने से संबंधित कोई दस्तावेज या जानकारी उन्हें नहीं दी गई।

इसके बाद संजय और उसके साथियों को अपने साथ धोखाधड़ी होने का संदेह हुआ। उन्होंने विश्वजीत से निवेश की गई राशि वापस मांगी, लेकिन वह लगातार टालमटोल करने लगा। इससे उन्हें यकीन हो गया कि वे ठगी का शिकार हो चुके हैं। इसके बाद संजय ने रविवार को थाने में लिखित शिकायत देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाने की बात पर ग्रामीण की हत्या विवाद के बाद कोटवार और उसके बेटों ने पेट में घोंपा चाकू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ग्रामीण की कोटवार ने हत्या कर दी। कोटवार ने उसने अपने घर खाना खाने के लिए बुलाया था। इसी दौरान दोनों के बीच खाने और पत्तल से जुड़ी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि कोटवार और उसके बेटों ने ग्रामीण पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मामला तमनार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार ग्राम उरबा निवासी दामोदर राठिया (37) ने शनिवार रात गांव के कोटवार हरिराम चौहान (50) को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित किया था। खाना खाने के दौरान पत्तल और भोजन से संबंधित किसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि हरिराम चौहान ने अपने बेटे आकाश चौहान (22) और 17 साल के नाबालिग बेटे को मौके पर बुला लिया। इसके बाद तीनों ने मिलकर दामोदर की पिटाई की और वहां रखे चाकू से उसके पेट पर वार कर दिया।

आरोपियों से पूछताछ जारी

घटना की जानकारी रविवार सुबह आसपास के लोगों को लगी, जिसके बाद तमनार थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने गांव के कोटवार हरिराम चौहान और उसके दोनों बेटों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

96 हजार की नशीली दवा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बोधघाट थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल की बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 240 कैप्सूल जिसकी कीमत करीब 96 हजार रुपए है, जब्त की गई। पुलिस की टीम ने मेटगुड़ा डोंगरी में छापेमारी की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आकाश पोया निवासी महारानी वार्ड और राड्रिक सोमा निवासी मदर टेरेसा वार्ड को पकड़ा। तलाशी में उनके कैरी बैग से प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल बरामद हुई। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर विशेष एनडीपीएस न्यायालय, जगदलपुर में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

नाबालिग को परिवार के साथ थाने में बैठाया, एसपी ने टीआई व महिला प्रधान आरक्षक को किया सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के सोमनी थाना प्रभारी और यहां की एक महिला आरक्षक को एसपी ने सस्पेंड कर दिया है। सोमनी थाने में नाबालिक बालिका को उसके परिवार के साथ रात में संवेदना कक्ष में रखने और महिला प्रधान आरक्षक के द्वारा नाबालिक बालिका के साथ अभद्र व्यवहार करने की शिकायत के बाद एसपी अंकिता शर्मा ने कार्रवाई की। इस मामले में थाना प्रभारी अरुण कुमार नामदेव और महिला प्रधान आरक्षक राजश्री सिंह को निलंबित किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार एक नाबालिक बालिका को सोमनी थाने में लाया गया। नाबालिग बालिका की जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी में कराई गई,जहां उसे प्रेग्नेंट बताया गया। इसके बाद बाद नाबालिकके परिजनों ने अन्य स्थान पर चेकअप कराया जहां प्रेगनेंसी नहीं पाया गया। इस मामले को लेकर नाबालिक बालिका से पूछताछ करने नाबालिक बालिका और उसके परिवार को सोमनी थाने में पुलिस कर्मियों के द्वारा बुलाया गया। यहां पूछताछ के नाम पर नाबालिग को परिवार के साथ रात में संवेदना कक्ष में रखकर पूछताछ की गई।

बताया जाता है कि इस दौरान महिला प्रधान आरक्षक के द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। इस मामले में जिले की एसपी अंकिता शर्मा से शिकायत की गई। शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने इस पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए लापरवाही बरतने के कारण निरीक्षक अरुण कुमार नामदेव और महिला प्रधान आरक्षक राजश्री सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है और निलंबन अवधि के दौरान बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने को लेकर भी निर्देश दिए हैं और आदेश जारी किया गया हैं।

कालचक्र चला तो कांपे बदमाश, 109 वारंट तामील, 8 फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपराधियों की तलाश में निकली रायपुर पुलिस की टीमों ने रविवार को ऐसा शिकंजा कसा कि फरार आरोपी, वारंटी और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया। कमिश्नरेट पुलिस के ऑपरेशन काल चक्र-03 के तहत उत्तर जोन में चलाए गए विशेष कॉम्बिंग अभियान में 109 वारंटों की तामीली, 8 फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और दर्जनों अपराधियों पर कार्रवाई कर पुलिस ने अपराध जगत को कड़ा संदेश दिया है।

डीसीपी नॉर्थ जोन के नेतृत्व में 31 मई 2026 को थाना गुढ़ियारी, उरला, खमतराई, पंडरी, खम्हारडीह और चौकी रामनगर क्षेत्रों में सघन कॉम्बिंग गश्त चलाई गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 23 स्थायी वारंट, 31 गिरफ्तारी वारंट और 55 जमानतीय वारंट सहित कुल 109 वारंटों की तामीली की। वहीं विभिन्न मामलों में फरार चल रहे 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें एनडीपीएस एक्ट का एक फरार आरोपी भी शामिल है।

अभियान सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहा। कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत 50 प्रकरणों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने निगरानी बदमाशों, गुंडा तत्वों और चाकूबाजों की भी सघन जांच की। विशेष अभियान के दौरान 30 प्रकरणों में आबकारी एक्ट और 3 प्रकरणों में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

जमीन खाली करने के दबाव में गई जान, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। घर और जमीन छोड़ने का दबाव, लगातार गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकियों ने आखिरकार एक व्यक्ति की जिंदगी छीन ली। बिलासपुर जिले के सीपत थाना क्षेत्र में सामने आए इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आरोपी की प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर जहर खाने वाले कनक पटेल की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार ग्राम फरहदा बजरंग चौक निवासी परमेश्वरी पटेल (45) ने 29 मई 2026 को थाना सीपत में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनके परिवार का घर शासकीय जमीन पर वर्षों से बना हुआ है। पड़ोस में रहने वाला बलराम यादव पिता लुलु राम यादव, उम्र 39 वर्ष, निवासी फरहदा चौक, थाना सीपत, एक बुजुर्ग महिला रामकली यादव को लेकर उनके घर पहुंचा और जमीन को उसका बताते हुए मकान खाली कर वहां से चले जाने का दबाव बनाने लगा।

आरोप है कि इस दौरान उसने घर में घुसकर अश्लील गाली-गलौच की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना से आहत और मानसिक रूप से परेशान कनक पटेल ने कीटनाशक जहर का सेवन कर लिया। उन्हें गंभीर हालत में सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 30 मई 2026 को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विवेचना के दौरान भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धारा जोड़ दी।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना सीपत और UACC की संयुक्त टीम गठित की गई। घटना के बाद फरार हुए आरोपी बलराम यादव की तलाश शुरू की गई और तकनीकी सूचना व लगातार दबिश के बाद उसे गनियारी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि किसी भी व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से इस हद तक प्रताड़ित करना कि वह जीवन समाप्त करने पर मजबूर हो जाए, एक गंभीर अपराध है। फिलहाल आरोपी सलाखों के पीछे है और पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

सक्ती में 2 चोरी की वारदातों का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग चोरी के मामलों का खुलासा किया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से चोरी के कांसे के बर्तन और बाइक बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी जुए की लत के कारण पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी करता था।

सक्ती थाना में अपराध क्रमांक 343/2025 और 88/2026 के तहत चोरी के मामलों की जांच चल रही थी। 31 मई को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कसेरपारा सक्ती के पास एक व्यक्ति चोरी का सामान बेचने के इरादे से बाइक के साथ खड़ा है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर संदेही को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम

भागीरथी साहू (27) निवासी डूमरपाली, थाना भूपदेवपुर, जिला रायगढ़ बताया। उसने सक्ती थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

आंगनबाड़ी केंद्र और सूने मकान में की थी चोरी

आरोपी ने बताया कि सितंबर 2025 में उसने ग्राम हरेठी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में खिड़की के रास्ते घुसकर टीवी, टेबल फैन, एग्जॉस्ट फैन, ट्यूबलाइट और खाद्य सामग्री सहित लगभग 20 हजार रुपए का सामान चुराया था। जनवरी 2026 में उसने बुधवारी बाजार क्षेत्र के एक सूने मकान का ताला तोड़कर चांदी के सिक्के, कांसे के बर्तन और नकदी सहित करीब 15 हजार रुपए की चोरी की थी।

ओडिशा से चोरी की बाइक लाकर चला रहा था आरोपी

पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी कुछ दिन पहले ओडिशा के बेलपहाड़ क्षेत्र से बिना नंबर प्लेट वाली लाल रंग की हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी कर लाया था। पुलिस ने उसके कब्जे से तीन कांसे के गिलास, दो कांसे के कटोरे और चोरी की बाइक बरामद कर जब्त कर ली है। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर उप जेल सक्ती भेज दिया गया।

स्कॉर्पियो से पहुंचते, टंकी तोड़ते और डीजल चुराते दिखे, पुलिस ने 3 शातिर चोरों को दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले की बलौदा पुलिस ने डीजल चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 175 लीटर चोरी का डीजल, वारदात में इस्तेमाल की गई महिंद्रा स्कॉर्पियो, जेरिकेन, लोहे की रॉड और पेचकस बरामद किए गए हैं। जब्त मशरूका की कुल कीमत 13 लाख 17 हजार 500 रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार खिसोरा निवासी प्रकाश कुमार राठौर ने थाना बलौदा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका हाइवा वाहन नवागांव घाट से हरदीबाजार जा रहा था। रात करीब एक बजे चालक ने वाहन को खिसोरा-उमरेली तालाब के पास भारतमाला रोड पर खड़ा किया था। इसी दौरान स्कॉर्पियो सवार तीन अज्ञात लोग पहुंचे और हाइवा की डीजल टंकी का ताला तोड़कर जेरिकेन में डीजल भरने लगे।

चालक के जागने और शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में जांच में पाया गया कि वाहन से करीब 175 लीटर डीजल चोरी किया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में बलौदा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। गिरफ्तार आरोपियों में तेजू पनिका निवासी जमगहना जिला कोरिया, दिनेश कुमार केंवट निवासी रसौटा तथा मनोज कुमार मिरी निवासी कोरबी शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

इस कार्रवाई में थाना बलौदा के निरीक्षक मनोहर सिन्हा सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

5 बैलों की मौत, तेज रफ्तार भारी वाहन ने रौंदा

रायगढ़। धरमजयगढ़ क्षेत्र में रैरुमा से कुछ दूरी पर भारतमाला सड़क पर एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। काजूबाड़ी के पास एक तेज रफ्तार भारी वाहन ने 7 बैलों को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि 5 बैलों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 2 अन्य बैल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि दुर्घटना के दौरान एक एर्टिगा कार भी टक्कर की चपेट में आ गई, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भारतमाला सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने विधायक रिकेश के भ्राता स्वर्गीय दिनेश सेन को दी श्रद्धांजलि

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दुर्ग प्रवास के दौरान वैशालीनगर स्थित लोकांगन परिसर पहुंचकर विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्वर्गीय श्री दिनेश सेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन एवं शोक संतप्त परिजनों से आत्मीय मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में परिवार को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी प्रियजन का वियोग जीवन की ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं हो सकती। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, विधायक ईश्वर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सुशासन तिहार बना दिव्यांग खोमीन के आत्मनिर्भर जीवन की नई राह

सुशासन तिहार में खोमीन को मिली ट्राइसाइकिल, आसान हुआ जीवन

अंबागढ़। सुशासन तिहार 2026 के तहत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में एक दिव्यांग महिला को ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। अंबागढ़ चौकी के ग्राम हांडीटोला निवासी खोमीन कल्लो बौनापन से प्रभावित हैं। इस कारण उन्हें दैनिक गतिविधियों और आवागमन में लंबे समय से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। घर के सामान्य कार्यों से लेकर किसी सामाजिक या पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने तक के लिए वे पूरी तरह दूसरों पर निर्भर थीं। शिविर में समाज कल्याण विभाग ने उनकी आवश्यकता का आंकलन किया और उन्हें एक ट्राइसाइकिल प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने विकास, कानून व्यवस्था व जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर बेमेतरा में की संभाग स्तरीय समीक्षा

जनता के प्रति संवेदनशीलता ही सुशासन की कसौटी : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। शासन-प्रशासन की सफलता का वास्तविक पैमाना जनता के प्रति उसकी संवेदनशीलता, जवाबदेही और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता है। अधिकारी आमजन की समस्याओं को केवल सुनें ही नहीं, बल्कि उनका त्वरित और प्रभावी निराकरण भी सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा प्रवास के दौरान जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना है और इसके लिए प्रशासन को अधिक सक्रिय, परिणामोन्मुखी तथा संवेदनशील बनना होगा।

बैठक में बेमेतरा, दुर्ग, राजनांदगांव, कबीरधाम तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में विकास योजनाओं, जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों, कानून-व्यवस्था तथा प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की गई। अन्य जिलों के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर जानकारी भी ली गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तभी सार्थक होगा, जब आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए प्रत्येक शिकायत, आवेदन और जनसमस्या का गंभीरता से निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति संवेदनशीलता और जवाबदेही प्रशासनिक व्यवस्था की आत्मा है तथा जनसमस्याओं का समाधान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन को मजबूत और भरोसेमंद मंच बनाने पर जोर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की निगरानी उच्च स्तर पर की जाएगी, जिससे अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी और शिकायतों का समयबद्ध निराकरण संभव हो सकेगा।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और जवाबदेही पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के कार्यों को विशेष प्राथमिकता देते हुए समय-सीमा से बाहर तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख सुधार जैसे मामलों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सुशासन तिहार, पेयजल और स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की और नागरिकों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मानसून के आगमन के साथ मौसमी बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा दलों और संसाधनों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करे।

ईंधन, खरीफ तैयारी और किसानों के हितों पर फोकस

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए डीजल और पेट्रोल के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि राज्य में डीजल एवं पेट्रोल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। इसलिए अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने खाद एवं बीज की उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली तथा किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएपी उर्वरक की सीमित उपलब्धता को देखते हुए उन्होंने एसएसपी, यूरिया, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के प्रति किसानों को जागरूक करने पर विशेष बल दिया।

ड्रोन दीदी, आवास, स्वास्थ्य और ऊर्जा की समीक्षा

महिला सशक्तिकरण की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिक संख्या में 'ड्रोन दीदी' तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, जिससे कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।

अबूझमाड़ की महिलाओं को दी सौगात आर्थिक मजबूती, 13 समूहों को 27 लाख

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम इरकभट्टी में 'मन की बात' कार्यक्रम के बाद महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप वनमंडल नारायणपुर के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को चक्रिय निधि की राशि और शहद संग्राहकों को शहद संग्रहण किट वितरित की। कार्यक्रम में 13 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 27 लाख रुपये की चक्रिय निधि ऋण प्रदान किया गया। यह राशि महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आजीविका मजबूत करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दी गई है।

इन समूहों को दोना-पत्तल निर्माण, महुआ पत्ता क्रय, फूलझाड़ू प्रसंस्करण, किराना एवं कैंटीन संचालन, गृह उद्योग स्थापना, मसाला निर्माण, लघु वनोपज प्रसंस्करण, बेकरी संचालन और होटल व्यवसाय जैसे आजीविका आधारित कार्यों के लिए सहायता दी गई है।

इसके साथ ही ग्राम तेरदूल, बोगान, कोलियारी, पानीगांव, चियानार, रेंगाबेड़ा, केरलापाल और टेमरूगांव के 12 हितग्राहियों को शहद संग्रहण किट वितरित की गई, जिससे वे शहद संग्रहण के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे।

दुर्ग में अत्याधुनिक आईटी पार्क का साय ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग जिले को तकनीकी विकास, नवाचार और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए आज सिविल लाइन्स दुर्ग स्थित अत्याधुनिक आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आईटी पार्क छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपनों, तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भर भविष्य की नई शुरुआत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि नवाचार और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाला बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई और राज्य शासन के सहयोग से

निर्मित यह आईटी पार्क युवाओं को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति और आधुनिक रोजगार अवसरों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में लगभग 40 आईटी कंपनियां यहां कार्यरत हैं तथा 100 से अधिक कंपनियों ने भविष्य में यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की सहमति दी है।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल खनिज और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार आधारित विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुर्ग-भिलाई क्षेत्र शिक्षा, उद्योग और प्रतिभा का मजबूत केंद्र रहा है तथा आईटी पार्क की स्थापना से यह क्षेत्र तकनीकी नवाचार, डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप इकोसिस्टम का उभरता हुआ हब बनेगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में तकनीकी अधोसंरचना को नई गति मिल रही है। 3,900 वर्गमीटर भूमि पर विकसित इस आधुनिक आईटी पार्क का कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्गमीटर है। परिसर में 40 बड़े कार्यालय कक्ष, पांच विशाल हॉल, मैस, आदि उपलब्ध हैं।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लोकमाता अहिल्या बाई होलकर का पूरा जीवन सुशासन और जनसेवा का आदर्श उदाहरण : शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम राम्हेपुर में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा उनके आदर्शों और लोक-कल्याणकारी कार्यों को स्मरण किया। उन्होंने कहा, अहिल्या बाई होलकर सुशासन का पर्याय थीं जिनके जीवन से काफी कुछ सीखा जा सकता है।

समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की ऐसी महान विभूति थीं, जिन्होंने अपने न्यायपूर्ण शासन, जनसेवा, धर्म एवं

संस्कृति के संरक्षण तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए।

अहिल्याबाई होलकर ने न केवल मालवा क्षेत्र को समृद्ध और सुशासित बनाया, बल्कि देशभर में अनेक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं और जनहित के निर्माण कार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आस्था को सशक्त आधार प्रदान किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन महिला सशक्तिकरण, सुशासन, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए समाज के लिए आदर्श स्थापित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया और अपने शासनकाल में न्याय, समानता एवं लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके विचार और कार्य आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रपाल धनकर, विदेशी राम धुर्वे, जिलाध्यक्ष भाईराम पाली, मिलू साहू सहित जनप्रतिनिधिगण, गडरिया समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

किसानों ने नैनो डीएपी को बताया लाभकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खरीफवर्ष 2026 के लिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद व प्रमाणित बीजों का वितरण किया जा रहा है। इस बार पारंपरिक खादों के साथ-साथ वैकल्पिक उर्वरकों, जैसे नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड बलरामपुर के ग्राम संतोषीनगर निवासी किसान पवित्र सरकार ने सहकारी समिति की व्यवस्थाओं की सराहना की है। ढाई एकड़ कृषि भूमि के स्वामी श्री सरकार ने बताया कि उन्होंने खरीफ सीजन की तैयारी के लिए समिति से यूरिया और नैनो डीएपी प्राप्त किया है। नैनो डीएपी के उपयोग से फसलों को जरूरी पोषक तत्व प्रभावी रूप से मिलते हैं, जिससे पौधों की शुरुआती वृद्धि बहुत अच्छी होती है। कम मात्रा में इस्तेमाल होने के बावजूद इसका असर बेहतरीन रहता है, जिससे लागत कम होती है और ले जाने में भी सुविधा रहती है। समिति में सबकुछ सुव्यवस्थित है और उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

बेमेतरा विधायक ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह का बढ़ाया मान

बैलगाड़ी में निकली बारात, उपमुख्यमंत्री बने सारथी, बेमेतरा को नर्सिंग कालेज की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने रविवार को एक नया इतिहास रच दिया। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने भी इसी मंडप में शादी की। उनकी बारात बैलगाड़ी में निकली जिसे उपमुख्यमंत्री अरुण साव हांक रहे थे। यहां आयोजित कन्या विवाह समारोह में कुल 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं शामिल हुए। सामाजिक परंपराओं, वैदिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक उल्लास के बीच 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। मुख्यमंत्री ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी शुभ कार्य के दौरान वर्षा होना इंद्रदेव के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि आज का आयोजन भी प्रकृति के आशीर्वाद से संपन्न हुआ है, जो नवदंपतियों के सुखद और समृद्ध भविष्य का शुभ संकेत है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। पहले बेटियों के विवाह को लेकर परिवारों को आर्थिक चिंताओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन इस योजना ने हजारों परिवारों को राहत प्रदान की है। राज्य सरकार ने योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया है, जिससे पात्र परिवारों को और अधिक सहयोग प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना भी इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक संबल प्रदान करती है।

साय ने दीपेश की पहल को बताया अनुकरणीय

मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में स्वयं विवाह कर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह पहल युवाओं को सादगीपूर्ण विवाह, सामाजिक समरसता और अनावश्यक खर्चों में कमी लाने का सकारात्मक संदेश देती है। ऐसे उदाहरण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सामाजिक समानता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बेमेतरा को दी नर्सिंग कालेज की सौगात

मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा जिले को एक महत्वपूर्ण सौगात देते हुए नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की घोषणा भी की, जिससे जिले में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप

मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, मंत्री दयाल दास बघेल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद संतोष पाण्डेय, सांसद विजय बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इन्द्र कुमार साहू, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, बसना विधायक संपत अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, नवदंपतियों के परिजन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

महावीरगंज में खुला दुग्ध शीतलक केन्द्र और पशु औषधालय

- कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने दी बड़ी सौगात
- बाजार से जुड़ने के साथ बेहतर उपचार की सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। जिले के पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन एवं पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम के द्वारा ग्राम महावीरगंज में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के द्वारा स्थापित दुग्ध शीतलक केंद्र का शुभारंभ किया गया।

महावीरगंज में दुग्ध शीतलक केंद्र और नवीन पशु औषधालय की सौगात से क्षेत्र के पशुपालकों को दूध विपणन, पशु उपचार और आय वृद्धि की बेहतर सुविधाएं

उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन मंत्री श्री नेताम ने कहा कि शासन किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। खेती के साथ-साथ पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है और दुग्ध उत्पादन से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है।

महिलाओं से बात करते हुए मंत्री श्री नेताम ने बताया कि दुग्ध विक्रय का पैसा अब सीधे आपके बैंक खाते में आएगा। हमारी सरकार ने योजना बनाई है कि सभी को रोजगार और आजीविका से कैसे जोड़ें और उनकी आर्थिक समृद्धि कैसे हो। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमने ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध संग्रहण एवं शीतलक केंद्र खोले हैं। दुग्ध उत्पादन से जुड़े लोगों को अब दूध के संरक्षण और विपणन की बेहतर सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने पशुपालकों से अधिक से अधिक संख्या में दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध सहकारी गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया।

श्री नेताम ने दुग्ध शीतलक केंद्र का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। एनडीडीबी के प्रतिनिधि विजय कुमार ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से 75 दुग्ध संग्रहण केंद्रों से दूध एकत्रित कर प्रोसेसिंग के लिए रायपुर एवं वाराणसी भेजा जाएगा। दुग्ध कलेक्शन हेतु 3 इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी उपलब्ध कराई गई हैं, जो गांव-गांव में जाकर कलेक्शन सेंटर से दुग्ध को सुरक्षित रूप से इस शीतलक केंद्र तक लाएंगे।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने महावीरगंज में नवीन पशु औषधालय का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पशुओं का बेहतर स्वास्थ्य ही पशुपालकों की समृद्धि का आधार है। पशु औषधालय के प्रारंभ होने से पशुओं के उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं अन्य आवश्यक सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं शिशिरकांत पांडे ने बताया कि यह जिले का 25वां पशु औषधालय है। इसके माध्यम से महावीरगंज सहित आसपास के गांवों के पशुपालकों को बेहतर पशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950